वैशाख शुक्ल - 10 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 278 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 08-05-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारत अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देना जानता है : हिमंत विश्व शर्मा

6 आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त 'रेडक्रॉस'

7 लीसा मिश्रा ने साझा किया जीनत अमान के साथ काम करने का भावुक पल

फर्स्ट टेक

एअर इंडिया के विमान से यात्री को उतारा गया

बेंगलूरु/भाषा। देशभर में कड़ी सुरक्षा के बीच बुधवार शाम को केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर एअर इंडिया के विमान से एक यात्री को उतार दिया गया। हवाई अड्डे के सूत्रों ने यह जानकारी दी। यात्री, बेंगलूरु से नई दिल्ली जा रही उड़ान संख्या एआई-2820 में यात्रा कर रहा था। सूत्रों ने बताया कि शाम छह बजकर पांच मिनट पर विमान के उड़ान भरने से पहले सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण यात्री को उतार दिया गया। एअर इंडिया के एक अधिकारी ने घटना की पुष्टि करते हुए 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमें घटना की जानकारी है, लेकिन हम कोई विवरण साझा नहीं करेंगे।

भारत ने अपने हवाई क्षेत्र से पाकिस्तान जाने वाले 25 उड़ान मार्ग बंद किए

मुंबई/नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बुधवार को कम से कम वैसे 25 उड़ान मार्ग बंद कर दिए, जो विमानों को भारतीय हवाई क्षेत्र से पाकिस्तान में प्रवेश करने की अनुमति देते हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। भारत ने यह निर्णय उस दिन किया जिस दिन सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए। दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव की पृष्ठभूमि में, कई विदेशी एयरलाइंस पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र से परहेज कर रही हैं। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने 24 अप्रैल को भारतीय एयरलाइन के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिये थे। इसके जवाब में भारत ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी एयरलाइन के लिए 30 अप्रैल को अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया।

पाकिस्तान ने भारत के 16 यूट्यूब समाचार चैनल और 32 वेबसाइट पर लगाया प्रतिबंध

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के अधिकारियों ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारत के 16 यूट्यूब समाचार चैनल, 31 यूट्यूब लिंक्स और 32 वेबसाइट पर प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण (पीटीए) के निरंतर प्रयासों के तहत डिजिटल मंचों के जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने बताया कि ''राष्ट्रीय सुरक्षा और पाकिस्तान के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने के वास्ते मौजूदा स्थिति के मद्देनजर'' भारत के 16 यूट्यूब समाचार चैनल, 31 यूट्यूब लिंक और 32 वेबसाइट को अवरुद्ध कर दिया गया है।

ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने

पाकिस्तान, पीओके में नौ आतंकी ठिकाने उड़ाए

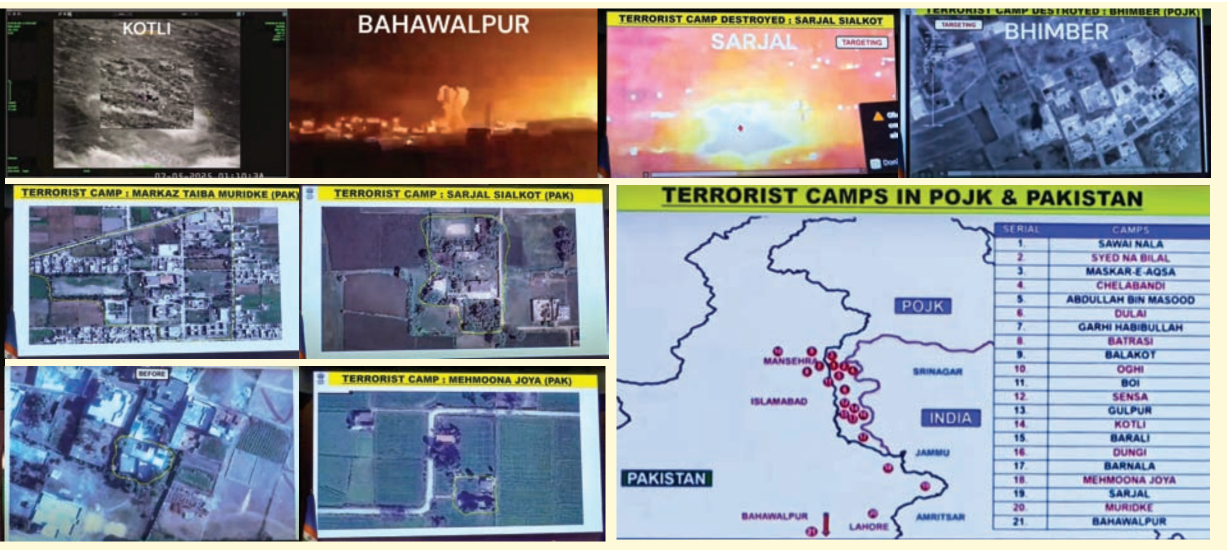

▪ भारत की ''नपी-तुली, टकराव को नहीं बढ़ाने वाली, संतुलित और जिम्मेदाराना'' कार्रवाई 25 मिनट तक चली।

▪ मिसरी के साथ एक मीडिया ब्रीफिंग में दो महिला अधिकारियों- सेना की सिग्नल कोर की कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायुसेना की हेलीकॉप्टर पायलट विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि यह अभियान देर रात 1:05 बजे से 1:30 बजे तक चलाया गया और सभी लक्ष्यों को कुशलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया।

▪ सैन्य अधिकारियों के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत, भारतीय सेना ने मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के मरकज तैयबा, बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के मरकज सुभान अल्लाह और सियालकोट में हिजबुल मुजाहिदीन के महमूना जोया फैसिलिटी और बरनाला में मरकज अहले हदीस में लश्कर के अड्डे और मुजफ्फराबाद के शावाई नाला में उसके शिविर को निशाना बनाया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए सख्त जवाबी कार्रवाई में मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं।

भारत की ''नपी-तुली, टकराव को नहीं बढ़ाने वाली, संतुलित और जिम्मेदाराना'' कार्रवाई 25 मिनट तक चली।

विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत ने 22 अप्रैल के पहलगाम हमले के दोषियों और साजिशकर्ताओं को न्याय के कठघरे में लाने के लिए ''आनुपातिक'' हमले करने का निर्णय लिया, क्योंकि पाकिस्तान की ओर से उसके नियंत्रण वाले क्षेत्रों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए ''कोई ठोस कदम'' नहीं उठाया गया।

मिसरी ने कहा, ''भारत की कार्रवाई संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस बयान के अनुरूप है जिसमें पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराया गया है।''

सैन्य अधिकारियों के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत, भारतीय सेना ने मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के मरकज तैयबा, बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के मरकज सुभान अल्लाह और सियालकोट में हिजबुल मुजाहिदीन के महमूना जोया फैसिलिटी और बरनाला में मरकज अहले हदीस में लश्कर के अड्डे और मुजफ्फराबाद के शावाई नाला में उसके शिविर को निशाना बनाया।

मिसरी के साथ एक मीडिया ब्रीफिंग में दो महिला अधिकारियों- सेना की सिग्नल कोर की कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायुसेना की हेलीकॉप्टर पायलट विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने बताया कि यह अभियान देर रात 1:05 बजे से 1:30 बजे तक चलाया गया और सभी लक्ष्यों को कुशलतापूर्वक नष्ट कर दिया गया।

अभियान के पूरा होने के 15 मिनट बाद रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''कुछ समय पहले, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में उन आतंकवादी बुनियादी ढांचों पर हमला करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया जहां से भारत के खिलाफ आतंकवादी हमलों का मंसूबा बनाया गया और इसे निर्देशित किया गया।''

इसने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई ''केंद्रित और नपी-तुली थी। साथ ही यह ध्यान रखा गया कि यह और न बढ़े।'' बयान में कहा गया, ''किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्य के चयन और क्रियान्वयन के तरीके में काफी संयम दिखाया है।''

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय मिसाइल हमलों को ''युद्ध की कार्रवाई'' करार दिया भारत की कार्रवाई के कुछ घंटे बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय मिसाइल हमलों को ''युद्ध की कार्रवाई'' करार दिया और कहा कि उनके देश को ''उचित जवाब'' देने का पूरा अधिकार है।

हालांकि, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि यदि नई दिल्ली नरम रुख अपनाती है तो इस्लामाबाद उसके साथ तनाव समाप्त करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भारतीय हमलों को ''अकारण'' बताया और कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इन हमलों में कम से कम 26 लोग मारे गए और 46 अन्य घायल हो गए।

जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर ने स्वीकार किया कि बहावलपुर में संगठन के मुख्यालय पर भारत के मिसाइल हमले में उसके परिवार के 10 सदस्य और चार करीबी सहयोगी मारे गए।

भारतीय अधिकारियों ने कहा कि बहावलपुर और मुरीदके सहित सभी नौ ठिकानों पर हमले सफल रहे। लाहौर से कुछ ही दूरी पर स्थित मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का एक विशाल ''मरकज'' या प्रतिष्ठान है। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का मुख्य गढ़ है।

वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत और पाकिस्तान के बीच शत्रुता ''बहुत जल्द'' समाप्त हो जाएगी। पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''यह शर्म की बात है। हमने इसके बारे में तब सुना जब हम ओवल (अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय) जा रहे थे। मैं बस यही उम्मीद करता हूं कि यह जल्दी खत्म हो जाए।''

'उचित जवाब' देगा पाकिस्तान : शहबाज शरीफ

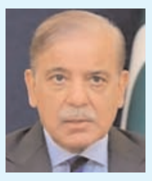

भारत की कार्रवाई के कुछ घंटे बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारतीय मिसाइल हमलों को ''युद्ध की कार्रवाई'' करार दिया और कहा कि उनके देश को ''उचित जवाब'' देने का पूरा अधिकार है। हालांकि, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा कि यदि नई दिल्ली नरम रुख अपनाती है तो इस्लामाबाद उसके साथ तनाव समाप्त करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भारतीय हमलों को ''अकारण'' बताया और कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान की संप्रभुता का उल्लंघन किया है। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इन हमलों में कम से कम 26 लोग मारे गए और 46 अन्य घायल हो गए।

मसूद अजहर के परिवार के 10 सदस्य और चार करीबी सहयोगी मारे गए

जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मौलाना मसूद अजहर ने स्वीकार किया कि बहावलपुर में संगठन के मुख्यालय पर भारत के मिसाइल हमले में उसके परिवार के 10 सदस्य और चार करीबी सहयोगी मारे गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति मुर्मू को 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी दी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें पाकिस्तान तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों के सटीक हमलों के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रपति कार्यालय ने बैठक की तस्वीरें साझा कीं और 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी दी।''

जांबाज सैनिको को सलाम : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर भारत द्वारा किए गए मिसाइल हमले के लिए बुधवार को भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य को सलाम किया और कहा कि वह सरकार एवं अपने वीर जवानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर चर्चा और सशस्त्र बलों की सराहना की गई।

भारत ने प्रमुख वैश्विक शक्तियों को 'ऑपरेशन सिंदूर' के कारणों से अवगत कराया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्यों सहित प्रमुख वैश्विक शक्तियों को पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर अपने सैन्य हमलों के पीछे के कारणों से अवगत कराया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत ने विभिन्न देशों को यह भी बताया कि यदि पाकिस्तान तनावपूर्ण स्थिति को और बढ़ाता है तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत किए गए सैन्य हमलों के कुछ घंटों बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जर्मनी, जापान, फ्रांस और स्पेन के अपने समकक्षों से बात की और उन्हें पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी ठिकानों के खिलाफ कार्रवाई के बारे में जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने अमेरिका, चीन, ब्रिटेन, रूस और सऊदी अरब के अपने समकक्षों से बात की।

08-05-2025 सूर्यास्त	09-05-2025 सूर्योदय
6:25 बजे	5:45 बजे

BSE	NSE
80,746.78	24,414.40
(+105.71)	(+34.80)

सोना	चांदी
101,137 रु.	111,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आओ सोचें नया

छोड़ें बीते कल की बातें,
हम लिखें नया इतिहास आज।
सबसे पहले हो राष्ट्रधर्म,
हों जाति मुक्त सारे समाज।
हो राजनीति भी दल विहीन,
गुणियों-सच्चों को मिले राज।
हर मन में हो सौहार्दभाव,
हर योग्य व्यक्ति को मिले काज।।

DWARAKA DOSS GOVERDHAN DOSS VAISHNAV COLLEGE
(AUTONOMOUS)
COLLEGE WITH POTENTIAL FOR EXCELLENCE, Re-accredited with A++ Grade by NAAC,
Linguistic Minority Institution, Affiliated to University of Madras, Under the Management of Shri Vallabhacharya Vidya Sabha
833, E.V.R. Periyar High Road, Arumbakkam, Chennai - 600 106. Ph: 91-44-2363 5105. Website : https://www.dgvaishnavcollege.edu.in

Courses Offered Shift - I (AIDED)
- B.A. Economics
- B.Com.General
- B.Com.Corporate Secretaryship
- B.Sc. Mathematics (MPC) & (MAN)
- B.Sc.Physics
- B.Sc.Chemistry
- B.Sc.Plant Biology & Plant Biotechnology
- M.A. Economics
- Master of Social Work
- M.Com. Commerce
- M.Sc. Chemistry
- M.Sc.Mathematics
- M.C.A. (AICTE)

Courses Offered Shift - II (UNAIDED)
- B.Com. General
- B.Com. Corporate Secretaryship
- B.Com. Honours
- B.Com. Accounting & Finance
- B.Com. Bank Management
- B.Com. Marketing Management
- B.Com. Finance & Taxation
- B.Com. Computer Application
- B.Com. Professional Accounting***
- B.Sc. Computer Science
- B.Sc. Statistics
- B.Sc. Biotechnology
- B.Sc. Biochemistry
- B.Sc. Mathematics with Computer Application
- B.Sc. Physics with Computer Application
- B.Sc. Visual Communication
- B.Sc. Criminology & Criminal Justice Science
- B.Sc. Psychology
- B.Sc. Data Science
- B.Sc. Computer Science with AI***
- B.A. Tamil
- B.A. English
- B.A. Economics
- B.A. Sociology
- B.A. Journalism
- B.B.A.
- BCA
- M.Sc. Applied Microbiology
- M.Sc. Biochemistry
- M.Sc. Biotechnology
- M.Sc. Physics
- M.Sc. Computer Science
- M.Sc. Information Technology
- M.Sc. Data Science***
- M.B.A. (AICTE) NBA Accredition
- M.A. Journalism & Communication
- M.A. English
- M.Com. Commerce
- M.A.H.R.M.

***subject to affiliation from University of Madras

NO SALE OF PRINTED APPLICATION - ONLINE REGISTRATION ONLY !!!
Online application for admission to various programmes offered for the academic year 2025-2026 has to be submitted only on online as per the instruction given in the website. The Prospectus for admission may be downloaded from the college website. Admission process will commence only after the +2 results.
For any grievance / complaint please email to helpdesk@dgvaishnavcollege.edu.in
PRINCIPAL

भाजपा की महिला नेताओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की, सेना को सलाम किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की महिला नेताओं ने बुधवार को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत कभी भी आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।

भारत की इस सैन्य कार्रवाई के नाम में 'सिंदूर' को जोड़ने का एक संदर्भ यह है कि भारतीय परंपरा में विवाहित महिलाएं अपनी मांग में सिंदूर लगाती हैं और इसे उनके सुहागन होने का एक प्रतीक माना जाता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम उन महिलाओं के प्रति सम्मान जताना है जिन्होंने 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में अपने पतियों को खो दिया। रक्षा मंत्री रह चुकीं सीतारमण ने भारत की कार्रवाई की सराहना की। उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमला कर, दिया गया एक सशक्त जवाब है। भारत आतंकवाद को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आतंक के हर अपराधी पर कार्रवाई की जाए।'' पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ढांचे को निशाना बनाते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया। आतंकी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' द्वारा 22 अप्रैल को किए गए हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि दो महिला अधिकारियों का प्रेस को संबोधित करना भारत की नारी शक्ति के बारे में एक ''सशक्त बयान'' है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर पर कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह का प्रेस को संबोधित करना ब्रीफिंग से कहीं अधिक है, यह भारत की नारी शक्ति का एक साहसिक बयान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, वर्दी में हमारी महिलाएं साहस और राष्ट्रीय गौरव का एक नया अध्याय लिख रही हैं।''

महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने इस हमले के लिए सेना को बधाई दी। उन्होंने कहा, ''हमारी बहादुर सेना को बधाई और शुभकामनाएं–विजय, सुरक्षा और सफलता की ओर बढ़ते रहें। देश भर में उनके परिवारों को सलाम और धन्यवाद जिन्होंने देश को ऐसे बहादुर बेटे दिए।'' दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया, ''भारत माता की जय।''

'ऑपरेशन सिंदूर' के वीडियो फुटेज सामने आने के बाद संदेह की कोई गुंजाइश नहीं : फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सशस्त्र बलों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बुधवार को सराहना की और कहा कि मिसाइल हमलों के वीडियो फुटेज सामने आने के बाद संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है। भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश–ए–मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर–ए–तैयबा का ठिकाना शामिल है।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी। फडणवीस ने एक वीडियो संदेश में कहा, ''हम भारतीय सशस्त्र बलों और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस कार्रवाई के लिए बधाई देते हैं। यह एक सटीक हमला था जिसमें नौ आतंकवादी ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। इस बार हवाई हमले का वीडियो फुटेज उपलब्ध है, जिससे किसी के लिए भी इसका सबूत मांगने की कोई गुंजाइश नहीं है।''

रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना में अवैध विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेने के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने पुलिस अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और राज्य में अवैध रूप से रह रहे पाकिस्तान और बांग्लादेश के नागरिकों को हिरासत में लेने का बुधवार को निर्देश दिया।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि रेड्डी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के मद्देनजर समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को आपातकालीन सेवाओं में लगे सभी विभागों के कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द करने और सभी जिला मुख्यालयों तथा संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी एवं सुरक्षा बढ़ाने का निर्देश दिया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को भारतीय सेना के समर्थन में एक रैली आयोजित करने का फैसला किया है, जिसमें मुख्यमंत्री और उनके कैबिनेट सहयोगी शामिल होंगे। रेड्डी ने अधिकारियों से हैदराबाद में सभी वाणिज्य दूतावासों में सुरक्षा कड़ी करने और सभी आईटी कंपनियों में सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए भी कहा। पुलिस विभाग को 'हिस्ट्रीशीटर' और पुराने अपराधियों की गतिविधियों पर भी नजर रखने को कहा गया है। विज्ञप्ति में कहा है, ''मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारियों को पाकिस्तान और बांग्लादेश के अवैध रूप से रह रहे नागरिकों को हिरासत में लेने का आदेश दिया है। कमान और नियंत्रण केंद्र में संचार प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए। शांति और सुरक्षा को भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।'' रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि पूरे देश को भारतीय सेना का समर्थन करने का एक मजबूत संदेश दिया जाना चाहिए।

कई भारतीय एयरलाइन ने 200 से अधिक उड़ानें रद्द कीं, 18 हवाई अड्डों पर परिचालन अस्थायी रूप से बंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/मुंबई/बेंगलूरु/भाषा। पाकिस्तान और पाक के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मंगलवार देर रात सशस्त्र बलों द्वारा मिसाइल हमले किए जाने के बाद लगाए गए प्रतिबंधों के कारण 200 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गई हैं और श्रीनगर सहित कम से कम 18 हवाई अड्डों पर परिचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। एअर इंडिया, इंडिगो, स्पाइसजेट, एअर इंडिया एक्सप्रेस, अकासा एयर और कुछ विदेशी एयरलाइन ने विभिन्न हवाई अड्डों के लिए अपनी–अपनी सेवाएं रद्द कर दीं।

सूत्रों ने बताया कि देश के उत्तरी और पश्चिमी हिस्सों में कम से कम 18 हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इनमें श्रीनगर, लेह, जम्मू, अमृतसर, पठानकोट, चंडीगढ़, जोधपुर, जैसलमेर, शिमला, धर्मशाला और जामनगर शामिल हैं। एक सूत्र के अनुसार, विमानन कंपनियों ने विभिन्न हवाई अड्डों से आने–जाने वाली 200 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं। इंडिगो ने कहा कि उसने हवाई प्रतिबंधों के कारण 10 मई की सुबह तक अमृतसर और श्रीनगर सहित विभिन्न घरेलू हवाई अड्डों से 165 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं।

एअर इंडिया ने कहा, ''विमानन अधिकारियों द्वारा इन हवाई अड्डों को बंद करने की अधिसूचना जारी किए जाने के बाद जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट जैसे हवाई अड्डों से आने–जाने वाली एअर इंडिया की उड़ानें 10 मई को सुबह 05:29 बजे (भारतीय समयानुसार) तक रद्द की जा रही हैं।'' एयरलाइन ने कहा कि इस अवधि के दौरान यात्रा के लिए वैध टिकट रखने वाले यात्रियों को पुनर्निर्धारण शुल्क पर एक बार की छूट या रद्द के लिए पूर्ण धन वापसी की पेशकश की जाएगी। इंडिगो ने एक बयान में कहा, ''हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों पर सरकारी अधिसूचना के कारण कई हवाई अड्डों (अमृतसर, बीकानेर, चंडीगढ़, धर्मशाला, ग्वालियर, जम्मू, जोधपुर, किशनगढ़, लेह, राजकोट और श्रीनगर) से इंडिगो की 165 से अधिक उड़ानें 10 मई 2025 को सुबह 05:29 बजे तक रद्द कर दी गई हैं।''

एयरलाइन ने यह भी कहा कि जिन यात्रियों की उड़ानें प्रभावित हुई हैं, वे अगली उपलब्ध उड़ान के लिए बुकिंग को पुनर्निर्धारित कर सकते हैं या बिना किसी अतिरिक्त लागत के अपनी बुकिंग रद्द करने का विकल्प चुन सकते हैं और उन्हें पूरा पैसा वापस किया जाएगा।

आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री ने पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी शिविरों पर सफल हमले के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की।

नायडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए मैं भारतीय सशस्त्र बलों के बहादुर योद्धाओं को गर्व के साथ सलाम करता हूं। अपनी बहादुरी और सटीकता के साथ उन्होंने एक बार फिर दिखा दिया है कि हमारा देश अपनी रक्षा दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विश्व ने भारत की ताकत और दृढ़ संकल्प को देखा है।

केंद्र में सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) सरकार की प्रमुख सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के सुप्रीमो के अनुसार, भारत आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है और सशस्त्र बलों के समर्थन में मजबूती से खड़ा है। मुख्यमंत्री नायडू ने भारतीय सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशक के 'एक्स' पर किए गए पोस्ट को साझा करते हुए जय हिंद लिखा। उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए प्रधानमंत्री मोदी और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा उनके साथ खड़े रहने का संकल्प लिया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट के माध्यम से कहा, ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय समाज में बहादुरी का संचार करने के लिए तीनों सेनाओं के प्रमुखों को धन्यवाद, खासकर दशकों के धैर्य और अत्यधिक धैर्य के बाद, जिसने पूरे भारत के हाथ बांध दिए थे। प्रधानमंत्री मोदी को भी सेना के साथ खड़े रहने के लिए धन्यवाद।

वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस के अध्यक्ष जगन मोहन रेड्डी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई बताया।

रेड्डी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ऐसे समय में इस तरह की अपरिहार्य कार्रवाई देश की संप्रभुता की रक्षा और नागरिकों की सुरक्षा में राष्ट्र की अटूट शक्ति को दर्शाती है। हम सभी आपके साथ हैं।

पहलगाम हमले में मारे गए आदिल के पिता

मेरे बेटे की हत्या का बदला है 'ऑपरेशन सिंदूर'

अनंतनाग/भाषा। जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के दौरान पर्यटकों की रक्षा करते हुए अपने जान गंवाने वाले सैयद आदिल हुसैन शाह के पिता ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी शिविरों पर सैन्य कार्रवाई ने उनके बेटे की हत्या का बदला लिया है। पहलगाम के बैसरन में आदिल हुसैन शाह खच्चर पर पर्यटकों को घुमाता था। शाह के परिवार ने जवाबी कार्रवाई के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सशस्त्र बलों का आभार व्यक्त किया।

शाह के पिता सैयद हैदर शाह ने यहां 'पीटीआई–वीडियो' सेवा से कहा, मैं आज बहुत खुश हूं कि सेना और (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी ने 26 लोगों की हत्या का बदला लिया है। मुझे खुशी है कि उनकी (हमले में मारे गये लोगों की) आत्मा को आज शांति मिलेगी। शाह के भाई सैयद नौशाद ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके और अन्य 25 परिवारों को न्याय दिलाया है। नौशाद ने कहा, अब, मेरे भाई और 25 अन्य निर्दोष लोगों की आत्मा को शांति मिलेगी। जब मुझे आज (बुधवार को) सुबह पता चला कि मोदी ने हत्याओं का बदला लिया है, तो मुझे खुशी हुई। हमें अब न्याय मिला है और हम बहुत खुश हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश–ए–मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर–ए–तैयबा का ठिकाना शामिल है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शाह और 25 अन्य पर्यटक मारे गए थे। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम शहर में बर्बर हमले के दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य हमले किए गए।

मेटा ने निवेश फर्जीवाड़े में लिप्त 23,000 फेसबुक पेज, खाते हटाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने बुधवार को कहा कि मार्च में फर्जीवाड़े में लिप्त 23,000 से अधिक फेसबुक पेज और खातों को हटा दिया गया जिनका इस्तेमाल ब्राजील और भारत के लोगों को निशाना बनाने के लिए किया जाता था।

फेसबुक, इंस्टाग्राम एवं व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया मंचों का संचालन करने वाली कंपनी मेटा ने कहा कि घोटालेबाजों ने ब्राजील और भारत में डीपफेक जैसी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर लोगों के साथ फर्जीवाड़ा करने की कोशिश की।

मेटा ने कहा कि घोटालेबाज व्यक्तिगत वित्त के लोकप्रिय सामग्री निर्माताओं, क्रिकेट खिलाड़ियों और व्यापारिक हस्तियों को प्रौद्योगिकी की मदद से गलत ढंग से पेश कर घोटाले के निवेश ऐप और जुआ खिलाने वाली वेबसाइट का समर्थन कर रहे थे। मेटा के मुताबिक, फर्जीवाड़ा करने वाले लोगों को 'निवेश सलाह' के लिए मैसेजिंग ऐप पर भेज देते थे और कभी–कभी एक नकली वेबसाइट पर लेकर चले जाते थे।

मेटा ने बयान में कहा, ''मार्च में हमने धोखाधड़ी की कई गतिविधियों में लिप्त रहे 23,000 से अधिक फेसबुक पेज और खातों को हटा दिया, जो मुख्य रूप से ब्राजील और भारत के लोगों को लक्षित करते थे।'' मेटा ने धोखाधड़ी को लेकर जागरूकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत लोगों को ऑनलाइन निवेश और भुगतान से संबंधित फर्जीवाड़ों की पहचान करने और उनसे खुद को बचाने में मदद करने के लिए जानकारी और आसान सुझाव दिए हैं।

एनआईए ने लोगों से पहलगाम आतंकी हमले से संबंधित तस्वीरें, वीडियो साझा करने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बुधवार को सभी पर्यटकों, आगंतुकों और स्थानीय लोगों से अपील की कि जिनके पास पहलगाम आतंकी हमले से संबंधित कोई और जानकारी, तस्वीरें या वीडियो हैं, वे तुरंत एजेंसी से संपर्क करें। अधिकारियों ने बताया कि जांच एजेंसी ने हमले के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित करने वाली बड़ी संख्या में तस्वीरें और वीडियो अपने कब्जे में ले लिये हैं और उनकी जांच कर रही है।

आतंकी हमले की आधिकारिक तौर पर जांच का जिम्मा संभालने वाली एनआईए हमलावरों और उनके काम करने के तरीकों के बारे में किसी भी संभावित सुराग की तलाश के लिए संबंधित चीजों की गहन जांच करने को उत्सुक है। अधिकारियों ने बताया कि पर्यटकों और अन्य लोगों ने जाने–अनजाने में कुछ प्रासंगिक विवरण देखे, सुने या क्लिक किए होंगे, जो एनआईए को कश्मीर में पर्यटकों पर हुए अभूतपूर्व हमले के पीछे की साजिश को उजागर करने में मदद कर सकते हैं।

पहलगाम हमले में मारे गए नरवाल के पिता ने कहा

आतंकवादी कुछ भी करने से पहले 100 बार सोचेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के पिता राजेश नरवाल ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के खिलाफ भारत की कार्रवाई की बुधवार को सराहना की और कहा कि मोदी सरकार ने एक कड़ा संदेश दिया है तथा अब 22 अप्रैल के हमले के साजिशकर्ता भविष्य में ऐसे हमले दोहराने से पहले ''100 बार सोचेंगे।''

भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जिनमें जैश–ए–मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और मुरीदके में लश्कर–ए–तैयबा का ठिकाना भी शामिल है। राजेश नरवाल ने कहा, ''जब यह (पहलगाम) घटना हुई थी, तब भी आप (मीडिया) मेरे घर आए थे और पूछा था कि मुझे सरकार से क्या उम्मीद है। मेरा जवाब था कि मुझे अपनी सरकार पर भरोसा है। और आज सरकार ने उस भरोसे को सही साबित किया है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने कहा था कि ऐसा (जवाबी हमला) किया जाना चाहिए ताकि कोई दोबारा ऐसा कायराना कृत्य करने की हिम्मत न कर सके... (पाकिस्तान व पीओके में) आतंकी ठिकानों पर किए हमले हमेशा उनके दिमाग में गूंजते रहेंगे।''

मिशन के नाम पर पूछे गए सवाल के जवाब में राजेश ने कहा, ''इस अभियान का नाम 'ऑपरेशन सिंदूर' रखा जाना एकदम उपयुक्त है।'' वहीं, नरवाल की मां आशा ने कहा, यह बिलकुल सही किया कि (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी ने (पहलगाम) हमले का बदला लिया।

सीमापार तनाव के बीच सोना एक बार फिर एक लाख रुपए के पार पहुंचा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ने से मांग में आई तेजी के बीच सोने की कीमतें राष्ट्रीय राजधानी में बुधवार को 1,000 रुपए चढ़कर एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गईं।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने कहा कि दिल्ली के बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,000 रुपए बढ़कर 1,00,750 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। मंगलवार को यह 99,750 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। सोना इसके पहले 22 अप्रैल को भी 1800 रुपए चढ़कर 1,01,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा था। भारतीय सशस्त्र बलों ने देर रात पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पाकिस्तान में मौजूद नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश–ए–मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर–ए–तैयबा का ठिकाना भी शामिल है।

जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पिछले महीने हुए आतंकवादी हमले के दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत ये हमले किए गए। इस आतंकी हमले में 26 भारतीय नागरिकों की जान गई थी।

वहीं, बुधवार को 99.5 प्रतिशत की शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,050 रुपए बढ़कर 1,00,350 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई। यह पिछले सत्र में 99,300 प्रति 10 ग्राम पर रही थी।

इसके अलावा, चांदी की कीमतें भी 440 रुपए बढ़कर 98,940 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। मंगलवार को यह 98,500 रुपए प्रति किलोग्राम थी।

भारत ने एफटीए के तहत ब्रिटेन की कंपनियों के लिए सरकारी खरीद क्षेत्र खोला

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने मंगलवार को घोषित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत ब्रिटेन की कंपनियों के लिए केंद्र सरकार की खरीद को खोल दिया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन की फर्मों को केवल गैर–संवेदनशील केंद्रीय संस्थाओं द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की खरीद में शामिल होने की अनुमति होगी। हालांकि, राज्य और स्थानीय सरकार–स्तरीय संस्थाओं तक पहुंच को बाहर रखा जाएगा।

अधिकारी ने कहा, ''ब्रिटेन के पात्र आपूर्तिकर्ताओं को केवल द्वितीय श्रेणी के स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं के रूप में घरेलू निविदाओं के लिए बोली लगाने की अनुमति होगी।'' उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' नीति के साथ–साथ मझोले और छोटे उद्यमों के लिए भी छूट दी गई है।

युद्ध कोई समाधान नहीं, आतंकवादियों को खोज कर उनका नेटवर्क खत्म करें : राज ठाकरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने बुधवार को कहा कि युद्ध आतंकवाद की समस्या का समाधान नहीं है और सरकार को आतंकवादियों को खोज कर, उनके नेटवर्क को खत्म करना चाहिए तथा आतंकी हमलों के दोषियों को पकड़ने को प्राथमिकता देनी चाहिए।

भारतीय सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकी ठिकानों पर मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत मिसाइल हमले किए किए। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए राज ठाकरे ने कहा कि सरकार से यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि आखिर पहलगाम में आतंकी हमला क्यों हुआ। मनसे प्रमुख ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''आतंकवादी हमले का जवाब युद्ध नहीं है। अमेरिका में उन्होंने (आतंकवादियों ने) 'ट्विन टावर्स' गिरा दिए थे, पेंटागन पर हमला किया था। अमेरिका ने युद्ध नहीं छेड़ा। उन्होंने उन आतंकवादियों को मार गिराया।'' उन्होंने कहा, ''आप उन आतंकवादियों को नहीं ढूंढ पाए हैं जिन्होंने पहलगाम में पर्यटकों पर हमला किया था। उस जगह पर सुरक्षा क्यों नहीं थी, जहां पिछले कई सालों से हजारों पर्यटक जा रहे हैं? देश के अंदर तलाशी अभियान चलाना और उन्हें ढूंढ़ना अधिक जरूरी है। हवाई हमले, लोगों का ध्यान भटकाना....युद्ध इसका समाधान नहीं हो सकता।''

ठाकरे ने आगे कहा कि बुधवार को नागरिक सुरक्षा से जुड़े 'मॉक ड्रिल' की जगह पूरे देश में 'तलाशी अभियान' चलाया जाना चाहिए।

शक्ति प्रदर्शन को गलत बताते हुए ठाकरे ने कहा, ''ऐसा लगता है कि दूसरे देश में युद्ध जैसी स्थिति पैदा करने की इच्छा है। अब हम सायरन बजने के साथ 'मॉक ड्रिल' होते हुए देख रहे हैं। लेकिन हमें बुनियादी सवाल पूछने की जरूरत है कि आखिर यह (पहलगाम में 22 अप्रैल का आतंकी हमला जिसमें 26 लोग मारे गए) क्यों हुआ?'' उन्होंने पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर भी उन पर निशाना साधा।

वर्ष 2024 के आम चुनाव के दौरान मोदी का समर्थन करने वाले मनसे प्रमुख ने कहा, ''जब यह (आतंकवादी हमला) हुआ तब प्रधानमंत्री सऊदी अरब में थे और वह जल्दी लौट आए, केवल चुनाव प्रचार के वास्ते बिहार जाने के लिए। इसकी आवश्यकता नहीं थी।

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंजाब को भाखड़ा नांगल बांध के कामकाज में 'हस्तक्षेप' करने से रोका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने पंजाब सरकार तथा पुलिस सहित इसके विभागों को भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड द्वारा प्रबंधित भाखड़ा–नांगल बांध और लोहंद नियंत्रण कक्ष जल विनियमन कार्यालयों के दैनिक कामकाज, संचालन और नियमन में ''हस्तक्षेप'' करने से रोक दिया है। मुख्य न्यायाधीश शील नागू और न्यायमूर्ति सुमित गोयल की पीठ ने छह मई को कहा कि पंजाब हालांकि भाखड़ा नांगल बांध और भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के कर्मियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्वतंत्र है।

अदालत ने आदेश दिया, ''पंजाब राज्य और पुलिसकर्मियों सहित इसके किसी भी अधिकारी को बीबीएमबी द्वारा प्रबंधित भाखड़ा–नांगल बांध और लोहंद नियंत्रण कक्ष जल विनियमन कार्यालयों के दैनिक कामकाज, संचालन और विनियमन में हस्तक्षेप करने से रोका जाता है।''

पीठ ने पंजाब को केंद्रीय गृह सचिव की अध्यक्षता में दो मई को आयोजित बैठक के निर्णय का पालन करने का निर्देश दिया। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की थी, जिसमें राज्य की तत्काल जल समस्या से निपटने के लिए भाखड़ा बांध से हरियाणा को अगले आठ दिन के लिए 4,500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने के बीबीएमबी के निर्णय को क्रियान्वित करने की सलाह दी गई।

अदालत ने कहा कि यदि पंजाब ''भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड द्वारा लिए गए किसी निर्णय से सहमत नहीं है, तो वह बीबीएमबी के अध्यक्ष के माध्यम से केंद्र सरकार को अभ्यावेदन देकर 1974 के नियम 7 के स्पष्टीकरण–2 को लागू करने के लिए स्वतंत्र है, जिस पर केंद्र सरकार द्वारा शीघ्र निर्णय लिया जाएगा।''

बीबीएमबी ने नांगल बांध पर पंजाब पुलिसकर्मियों की तैनाती पर आपत्ति जताते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था तथा इसे असंवैधानिक और अवैध बताया था।

स्मृति — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु में द्रमुक सरकार का कार्यभार संभालने के चार वर्ष पूरे होने और पांचवें वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन चेन्नई में 7 मई को मरीना बीच पर द्रमुक के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री रहे करुणानिधि की समाधि पर जाकर उन्हें याद किया और पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, मंत्रीगण, संसद सदस्य, विधान सभा सदस्य, चेन्नई महानगर के मेयर और स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

चौथी वर्षगांठ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तमिलनाडु मॉडल सरकार की चौथीवर्षगांठ पर, द वीक पत्रिका आयोजित एक समारोह में भाग लिया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन के 50 वर्षों को चिह्नित करने के लिए 'द मॉडर्न द्रविड़ आइकन' नामक पुस्तक का विमोचन भी इस मौके पर किया गया। द वीक पत्रिका के मुख्य एसोसिएट संपादक और निदेशक रियाथ मैथ्यू, और मुख्य संवाददाता लक्ष्मी सुब्रमण्यम और अनेक मंत्री उपस्थित थे।

तमिलनाडु ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर किए गए सशस्त्र बलों के हमलों की सराहना की

चेन्नई। तमिलनाडु के प्रमुख राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई की बुधवार को सराहना की। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने लिखा, तमिलनाडु आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना के साथ है। हमारी सेना के साथ और हमारे देश के लिए, तमिलनाडु पूरी दृढ़ता के साथ खड़ा है।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने कहा, मैं पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर 'ऑपरेशन सिंदूर' को सटीक ढंग से अंजाम देने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना करता हूं। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सतर्क नेतृत्व में न्याय हुआ है। यह निर्णायक कार्रवाई आतंकवाद को खत्म करने और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए हमारे देश की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के शीर्ष नेता अंबुमणि रामदास ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए उठाए गए सभी कदम सही हैं। उन्होंने कहा, हमें केंद्र सरकार के साथ एकजुटता से खड़े होना चाहिए। तमिलगा वेत्री कझगम के संस्थापक विजय ने कहा, सेना को उसकी कार्रवाई के लिए सलाम। दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, योद्धा की लड़ाई शुरू हो गई है... मिशन पूरा होने तक कोई रोक नहीं ! पूरा देश आपके साथ है। अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम प्रमुख टीटीवी दिनाकरन और निष्कासित अन्नाद्रमुक नेता वीके शशिकला ने भी आतंकवाद के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की सराहना की।

दक्षिण राज्यों के मुख्यमंत्रियों, पहलगाम हमले के पीड़ित परिवारों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/बेंगलूरु/कोच्चि/अमरावती/हैदराबाद। दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्रियों, राजनीतिक नेताओं और पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित परिवारों ने बुधवार को पाकिस्तान तथा इसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारत के जवाबी हमलों की सराहना की।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू तथा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्वागत किया जिसके तहत भारत के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किए बिना जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के प्रशिक्षण शिविरों, 'लॉन्च पैड' और मुख्यालयों पर हमला किया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए बर्बर आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों ने भी भारत की कार्रवाई की सराहना की।

कोच्चि निवासी आरती ने कहा कि इस हमले के लिए ऑपरेशन सिंदूर' के अलावा कोई अन्य उपयुक्त शीर्षक नहीं होगा। आरती के पिता एन रामचंद्रन को पहलगाम में आतंकवादियों ने उनकी आंखों के सामने गोली मार दी थी। उन्होंने कोच्चि में संवाददाताओं से कहा, आतंकवाद को इससे बेहतर कोई जवाब नहीं हो सकता था, जिसने हमारे सामने हमारे पिता, भाई या पतियों को मार डाला।

आरती ने कहा, इसलिए, इस अभियान को अंजाम देने वालों को सलाम। सरकार, प्रधानमंत्री और सेना के लोगों को बहुत-बहुत धन्यवाद, जो इस अभियान के लिए काम करते रहे...जो लगातार इसके पीछे रहे हैं। उन्होंने कहा, सभी भारतीयों को इस अभियान से राहत मिली है। ऑपरेशन सिंदूर' से हिमांशी (नरवाल) सहित सभी पीड़ित परिवारों को राहत और सुकून मिलेगा।

आतंकी हमले में जान गंवाने वाले बेंगलूरु निवासी भारत भूषण के परिवार ने भी हवाई हमलों का स्वागत किया। अपनी पत्नी और तीन साल के बेटे के साथ पहलगाम घूमने गए भूषण की 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनकी पत्नी सुजाता और उनका बच्चा हमले में बच गया था। सरकार के कदम की सराहना करते हुए भूषण के पिता चन्नवीरप्पा ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर नाम सही है क्योंकि उन्होंने (आतंकवादियों ने) कई महिलाओं का सिंदूर उजाड़ दिया। यह एक अच्छा कदम है। सरकार ने अच्छा काम किया है और उन्होंने कई देशों का समर्थन भी लिया है।

उन्होंने कहा,''पाकिस्तान ने जो किया, वह बहुत बुरा काम है। वे अपने ठिकानों में आतंकवादियों को पनाह दे रहे हैं, उन्हें पैसे दे रहे हैं। उन्हें पाकिस्तानी सेना द्वारा समर्थन और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मोदी ने यह संदेश विभिन्न देशों को दिया है और पाकिस्तान की घटिया हरकतों के बारे में बताया है।'' आतंकी हमले में मारे गए कर्नाटक के मंजूनाथ राव की मां सुमति ने हवाई हमलों का स्वागत किया और कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहतीं कि उनके बेटे का ''बलिदान'' व्यर्थ जाए।

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी सहित मुख्यमंत्रियों और राजनीतिक नेताओं ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले का स्वागत किया। हैदराबाद से लोकसभा सदस्य असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि पड़ोसी देश में आतंकवादी ठिकानों को पूरी तरह नष्ट किया जाना चाहिए। ओवैसी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पाकिस्तान के डीप स्टेट' को ऐसा कड़ा सबक सिखाया जाना चाहिए कि फिर कभी पहलगाम जैसी घटना न होने पाए। पाकिस्तान के आतंकी ढांचे को पूरी तरह से नष्ट कर दिया जाना चाहिए। जय हिंद!''

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू ने भारत के हमले के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रशंसा की। नायडू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए मैं भारतीय सशस्त्र बलों के वीर योद्धाओं को गर्व के साथ सलाम करता हूं। अपनी अद्वितीय वीरता और सटीकता के साथ उन्होंने एक बार फिर दिखा दिया है कि हमारा देश दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ अपनी रक्षा करेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की ताकत और दृढ़ संकल्प को देखा है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, तमिलनाडु आतंकवाद के खिलाफ भारतीय सेना के साथ खड़ा है। हम अपनी सेना के साथ, अपने देश के लिए खड़े हैं। तमिलनाडु पूरी तरह दृढ़ है।''

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में ''आतंकी ठिकानों'' के खिलाफ हमलों से देश को गर्व हुआ है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, एक भारतीय नागरिक के रूप में, मैं अपने सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ा हूं। पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों के खिलाफ हमले हमें गौरवान्वित करते हैं। आइए, हम इसे राष्ट्रीय एकजुटता और एकता का क्षण बनाएं तथा हम सभी एक स्वर में बोलें - ''जय हिंद! ऑपरेशन सिंदूर।''

पूर्व रक्षा मंत्री ए के एंटनी ने भारतीय सशस्त्र बलों के 'ऑपरेशन सिंदूर' की प्रशंसा की। इस अभियान को केवल ''शुरुआत'' बताते हुए एंटनी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारतीय सेना सीमा पर पाकिस्तानी सेना के ठिकानों के पीछे स्थित आतंकी शिविरों को निशाना बनाने के लिए निर्णायक कदम उठाएगी।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कहा, ''मैं ऑपरेशन सिंदूर' के पीछे हमारे सशस्त्र बलों के असाधारण साहस को सलाम करता हूं। उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई इस बात की पुष्टि करती है कि भारत किसी भी रूप में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा।''उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुआ क्रूर हमला सिर्फ निर्दोष लोगों के जीवन पर नहीं था, बल्कि भारत के सपनों और भावनाओं पर भी था।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय सेना ने दुश्मन पर ऐसी जगह वार किया जहां उसे चोट महसूस हो।

अन्नाद्रमुक प्रमुख और तमिलनाडु में विपक्ष के नेता ए के पलानीस्वामी, वाईएसआरसीपी के नेता एवं आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी सहित कई अन्य लोगों ने भी भारत की कार्रवाई का स्वागत किया।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन 'सिन्दूर' के जरिए त्वरित एवं प्रभावी जवाबी कार्रवाई की : रंगासामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के लिए भारतीय सेना की बुधवार को सरहाना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना ने सफल जवाबी कार्रवाई कर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले का उचित एवं प्रभावी जवाब दिया है। इस आतंकवादी हमले में नेपाल के एक नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी।

रंगासामी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 'ऑपरेशन सिन्दूर' के तहत आतंकवादी ठिकानों पर किया गया हमला एक सफल उपलब्धि है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना की तारीफ की। रंगासामी ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासन भारत की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आतंकवाद को खत्म करने के लिए हमेशा केंद्र के साथ खड़ा रहेगा।

पुडुचेरी की पूर्व उपराज्यपाल किरण बेदी ने कहा, भारत ने पाकिस्तान के अंदर आतंकवादियों को पालने और उन्हें प्रशिक्षित करने वाले आतंकी शिविरों पर हमला किया, जिससे पाकिस्तान के अंदर आतंक का पूरा कारोबार नष्ट हो गया। उन्होंने कहा, ''यह सभी बलों द्वारा केंद्रित और समन्वित हमला था।''

बेदी ने भारत सरकार को परिपक्व और संयमित कार्रवाई के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने पूरी सावधानी के साथ कार्रवाई की है। जिलाधिकारी ए. कुलोथुंगन ने एक विज्ञप्ति में कहा कि पुडुचेरी जिला प्रशासन नागरिकों की सुरक्षा की तैयारियों के लिए लॉसपेट में हवाई अड्डे के पास एक 'मॉक ड्रिल' करेगा।

श्रद्धांजलि — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में बुधवार को मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जे. सत्य नारायण प्रसाद के आकस्मिक निधन के मौके पर उनके आवास पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का निधन

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय के सेवारत न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. सत्य नारायण प्रसाद का मंगलवार देर रात यहां निधन हो गया। सूत्रों के अनुसार, 56 वर्षीय न्यायमूर्ति प्रसाद को दिल का दौरा पड़ा था। तंजावुर जिले में 15 मार्च, 1969 को जन्मे न्यायमूर्ति सत्य नारायण प्रसाद वेल्लोर जिले के मूल निवासी थे। उन्होंने वेल्लोर के वूरहीस हायर सेकेंडरी स्कूल' से पढ़ाई की थी और चेन्नई के लोयोला कॉलेज से इतिहास में स्नातक की उपाधि हासिल की थी। न्यायमूर्ति प्रसाद ने दिल्ली विश्वविद्यालय से इतिहास में परास्नातक और कानून की पढ़ाई पूरी की। प्रसाद ने 29 जनवरी, 1997 को तमिलनाडु और पुडुचेरी की बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में नामांकन कराया था। उन्हें 2021 में मद्रास उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया। न्यायमूर्ति प्रसाद के पिता आर. जयप्रसाद सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश थे। मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश केआर श्रीराम ने दिवंगत न्यायमूर्ति प्रसाद के सम्मान में उच्च न्यायालय व रजिस्ट्री (मुख्य पीठ और मदुरै पीठ दोनों) और तमिलनाडु व पुडुचेरी के सभी अधीनस्थ न्यायालय, न्यायाधिकरण व उनके कार्यालय बुधवार को बंद रखने का निर्देश दिया। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने न्यायमूर्ति प्रसाद के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

ब्लू स्टार का मार्च तिमाही का शुद्ध लाभ 21 प्रतिशत बढ़ा

चेन्नई/नई दिल्ली। घरेलू एयर कंडीशनर (एसी) कंपनी ब्लू स्टार लिमिटेड का मार्च तिमाही का एकीकृत शुद्ध मुनाफा 21 प्रतिशत बढ़कर 194 करोड़ रुपये हो गया है। राजस्व बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 159.71 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। कंपनी की कुल आय चौथी तिमाही में बढ़कर 4,042.95 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 3,340.16 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान कंपनी खर्च भी बढ़कर 3,793.73 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में 3,126.38 करोड़ रुपये था। पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध मुनाफा इससे पिछले वित्त वर्ष के 414.31 करोड़ रुपये से बढ़कर 591.28 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के निदेशक मंडल ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए दो रुपये के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर नौ रुपये का अंतिम लाभांश देने की भी सिफारिश की।

मार्च तिमाही में एमएमआर, एनसीआर, चेन्नई और पुणे में घरों की औसत कीमतें स्थिर रहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), चेन्नई और पुणे में घरों की औसत कीमतें पिछली तिमाही की तुलना में जनवरी-मार्च में स्थिर रहीं।

रियल एस्टेट ब्रोकरेज कंपनी प्रॉपटाइगर के आंकडों के अनुसार, बेंगलूरु और हैदराबाद में कीमतों में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि अहमदाबाद तथा कोलकाता में यह चार-चार प्रतिशत बढ़ी। प्रॉपटाइगर, आरईए इंडिया का हिस्सा है। आरईए इंडिया के पास हाउसिंग डॉट कॉम का भी स्वामित्व है।

कंपनी ने कहा कि आवासीय संपत्ति की कीमतें सालाना आधार पर बढ़ती रही हैं, लेकिन हाल के तिमाहियों में वृद्धि की गति स्पष्ट रूप से मध्यम रही है।

हाउसिंग डॉट कॉम एवं प्रॉपटाइगर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ध्रुव अग्रवाल ने कहा, ''पिछली कुछ तिमाहियों में देखी गई कीमत में मध्यम वृद्धि स्थिर बाजार को इंगित करती है..।''

उन्होंने कहा, ''...संरचनात्मक बुनियादी बातों को मजबूत करने और स्थिर, स्थायी वृद्धि को सक्षम बनाने के लिए 2025 में बाजार के और समेकन से गुजरने के आसार हैं।'' आंकड़ों के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), चेन्नई और पुणे बाजारों ने औसत कीमतों में कोई वृद्धि नहीं देखी। ये क्रमश: 12,600 रुपये, 8,106 रुपये, 7,173 रुपये और 7,109 रुपये प्रति वर्ग फुट रहीं। अहमदाबाद में औसत मूल्य 4,402 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 4,568 रुपये हो गया। बेंगलूरु में कीमतें 7,536 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 7,881 रुपये फुट हो गईं।

हैदराबाद में आवास की कीमत 7,053 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 7,412 रुपये फुट हो गई जबकि कोलकाता में 5,633 रुपये प्रति वर्ग फुट से 5,839 रुपये वर्ग फुट हो गई।

उपमुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सराहना की, कहा रक्षा बलों और केंद्र के साथ खड़े हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सेना द्वारा पाकिस्तान के आंतकियों के विरुद्ध चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सराहना की। उन्होंने बुधवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी सशस्त्र बलों और केंद्र के साथ मजबूती से खड़ी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में उपमुख्यमंत्री ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर जम्मू-कश्मीर में कायरतापूर्ण आतंकवादी हमले का उचित जवाब था। बाद में एक समाचार चैनल से बात करते हुए उन्होंने कहा, हमें अपने रक्षा बलों पर गर्व है। हम अपने देश की रक्षा के लिए उन्हें सलाम करते हैं। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से उनके साथ खड़ी है।

कर्नाटक के पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ितों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, इस तरह की घटनाओं को एक राज्य के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक राष्ट्रीय त्रासदी है। हम सभी इस समय एक साथ हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या जवाबी कार्रवाई से पहलगाम के पीड़ितों के परिवारों को राहत मिली है, उन्होंने कहा, हां, पीड़ितों के परिवारों को राहत मिली है। जवाबी हमलों के मद्देनजर हमने महंगाई के खिलाफ रायचूर में होने वाले विरोध प्रदर्शन को रद्द कर दिया है। हम इस मुद्दे पर राजनीति नहीं करना चाहते हैं और हम रक्षा बलों और सरकार के साथ मजबूती से खड़े हैं।

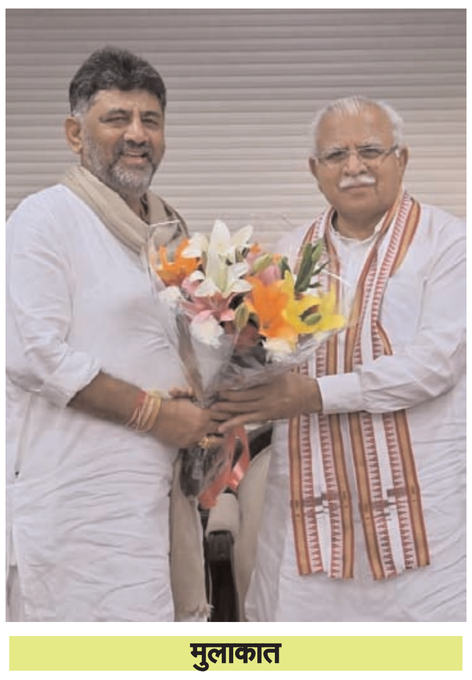

मुलाकात

बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर से कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री एवं बेंगलूरु शहरी विकास मंत्री डीके शिवकुमार ने मुलाकात की और मेट्रो कार्य की प्रगति तथा कचरा प्रबंधन पर चर्चा की। इस अवसर पर बीबीएमपी के प्रशासनिक अधिकारी तुषार गिरिनाथ, मुख्य आयुक्त महेश्वर राव, डीसीएम सचिव राजेंद्र चोलन आदि उपस्थित थे।

पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच केंद्र की सलाह पर कदम उठाएगी कर्नाटक सरकार : मंत्री परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार ने पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच उठाए जाने वाले कदमों के बारे में केंद्र सरकार की सलाह के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है। 'ऑपरेशन सिंदूर' का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि एक राजनीतिक दल के तौर पर वे सरकार के साथ खड़े हैं।

पत्रकारों से बातचीत में परमेश्वर ने कहा कि एक राजनीतिक दल के तौर पर वे सरकार के फैसले का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, हम इसका स्वागत करते हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है और ऐसे समय में सभी को एक स्वर में बोलना चाहिए। हम देश की सुरक्षा के लिए सरकार और हमारे सैन्य बलों की कार्रवाई का पूरा समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को नागरिक सुरक्षा उपायों के संबंध में रक्षा मंत्रालय और गृह मंत्रालय से परामर्श प्राप्त हुआ है। परमेश्वर ने कहा, इसलिए हमने उन पर अमल करना शुरू कर दिया है। आज हम कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। हम बिजली स्टेशन, सिंचाई बांध या उद्योगों समेत प्रमुख प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की दिशा में खास तौर पर चौकस हैं। हम उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठा रहे हैं। ये परामर्श भारत सरकार की ओर से मिले हैं और हम उन पर काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि सभी सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी पुलिस अधीक्षकों को सूचित कर दिया गया है और सुरक्षा के संबंध में सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा, हमने सभी पुलिस अधीक्षकों को सूचित कर दिया है। हमने सभी विभागीय अधिकारियों को सतर्क रहने के लिए कहा है। सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को सभी आवश्यक कदम उठाने चाहिए। जहां भी जरूरत है, हमारे औद्योगिक सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। हम इस स्थिति को बहुत गंभीरता से ले रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार पहला 'मॉक ड्रिल' बुधवार को शाम चार बजे बेंगलुरु में नागरिक सुरक्षा महानिदेशक के परिसर में आयोजित किया। राज्य के अन्य क्षेत्रों में, सप्ताह के दौरान निर्धारित दिनों में अभ्यास आयोजित किए जाएंगे, जिसका उद्देश्य तैयारियों का जायजा लेना, समन्वय बनाना और खामियों को दूर करना है।

भजनलाल ने राजस्थान में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद करने के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत द्वारा पाकिस्तान स्थित आतंकवादी ठिकानों पर की गई एयर स्ट्राइक के मद्देनजर प्रदेशभर में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने पूरी सतर्कता से सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने के साथ-साथ पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों को केन्द्रीय गृह मंत्रालय और केन्द्रीय एजेन्सियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान पाकिस्तान का सीमावर्ती राज्य है, इसलिए उच्चतम मानकों की अनुपालना करते हुए प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था दुरूस्त होनी चाहिए। शर्मा ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत राष्ट्र विरोधी शक्तियां प्रदेश में साम्प्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास कर सकती हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सोशल मीडिया पर प्रभावी निगरानी के साथ अफवाह फैलाने वालों के विरूद्ध त्वरित कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने समस्त जिलों की आन्तरिक सुरक्षा योजना और आपदा प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कहा कि चिकित्सालयों में पर्याप्त दवा, ऑक्सीजन और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही, चिकित्सकों सहित आवश्यक मानव संसाधन एवं उपकरण भी उपलब्ध रहें। शर्मा ने पानी, बिजली एवं आवश्यक बुनियादी संसाधनों की उपलब्धता और इससे संबंधित सेवाओं को सुचारू रखने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही, उन्होंने बुधवार को हो रही मॉक ड्रिल और ब्लैक आउट की भी विस्तृत समीक्षा की।

शर्मा ने कहा कि सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों पर प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस कार्मिकों की छुट्टियां निरस्त करने और उन्हें मुख्यालय पर उपस्थित रहने के लिए पाबंद के संबंध में भी निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि एडीजी रेंज प्रभारी और प्रभारी सचिव उनके प्रभार क्षेत्र के जिलों के अधिकारियों से निरन्तर सम्पर्क में रहते हुए उक्त सभी निर्देशों की पालना सुनिश्चित कराएं। मुख्यमंत्री शर्मा ने भारतीय सेना को पाकिस्तान स्थित आंतकवादी ठिकानों पर प्रभावी एवं सटीक एयर स्ट्राइक करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि कायराना पहलगाम हमले का करारा जवाब देते हुए भारतीय एयर फोर्स ने अदम्य साहस के साथ ऑपरेशन सिदूंर को अंजाम दिया और नौ आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत आंतकवादियों और उनके आकाओं को अंजाम तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू सहित सम्बन्धित पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद राजस्थान में अलर्ट

जयपुर/दक्षिण भारत । भारतीय सेना द्वारा ऑपरेशन सदिंर चलाकर पाकस्तिान में कई आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने के बाद राजस्थान में सतर्कता बरतते हुए सीमावर्ती शहरों एवं हवाई अड्डों एवं रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई दी गई हैं और बीकानेर सहित कुछ सीमावर्ती जिलों में स्कूलों में छुट्टियां और परीक्षाएं स्थगित की गई हैं। बीकानेर के जिला शिक्षा अधिकारी डा रामगोपाल शर्मा के अनुसार बीकानेर जिले के समस्त सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालय आज निर्देशानुसार बंद रहेंगे एवं गृह परीक्षा स्थगित रहेगी। जिले के समस्त विद्यालयों में छात्र एवं छात्राओं के लिए विद्यालय में अवकाश रहेगा जबकि स्टाफ सदस्य विद्यालय में समयानुसार उपस्थित रहेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिले में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की छुटी रद्द कर दी गई हैं और मुख्यालय नहीं छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा जोधपुर, जैसलमेर सहित सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थित हवाई अड्डों एवं रेलवे स्टेशनों पर सतर्कता बरती जा रही है।

रेलवे स्टेशनों पर संदिग्ध व्यक्ति एवं सामान पर भी नजर रखी जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बराबर बराबर उच्च अधिकारियों के संपर्क में रहकर नजर बनाये हुए हैं और उन्होंने मंगलवार रात को ही केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों की पालना में आज होने वाली मॉक ड्रिल को लेकर गुजरात के केवड़िया से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उच्च अधिकारियों के साथ बैठक लेकर उन्हें गृह मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार समन्वय स्थापित करने, आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ करने एवं नागरिक सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

चार सीमावर्ती जिलों के स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की गई

जयपुर। भारतीय सेना द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर राजस्थान के चार सीमावर्ती जिलों के सभी स्कूलों में बुधवार को छुट्टी कर दी गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एहतियात के तौर पर श्रीगंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर और बाड़मेर जिलों के सभी सरकारी और निजी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। ये जिले भारत-पाक सीमा पर स्थित हैं। पश्चिमी राजस्थान के जिले अलर्ट पर हैं। केंद्र सरकार के निर्देशानुसार बुधवार को 'मॉक ड्रिल' भी होने वाली है। अधिकारी ने कहा, स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है और मॉक ड्रिल की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण राजस्थान की लगभग 1070 किलोमीटर लंबी सीमा पाकिस्तान से लगती है। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किये।

ऑपरेशन सिंदूर : आतंक पर सर्जिकल वार... 'भारत माता की जय' से गूंजा राजस्थान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के तहत झेघ और पाकिस्तान के आतंकी कैंपों पर मिसाइलों की बौछार से आतंक का खात्मा हुआ, तो राजस्थान से भारत माता की जय की गूंज उठी। मुख्यमंत्री से लेकर पूर्व मुख्यमंत्री तक, नेताओं ने एक स्वर में सेना के शौर्य को सलाम किया। पहलगाम हमले के दो हफ्ते बाद भारतीय सेना ने मंगलवार देर रात 1:44 बजे जो जवाब दिया, वह न सिर्फ रणनीतिक था, बल्कि सटीक और सख्त था। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ तबाह हुए। सेना ने इस कार्रवाई को नाम दियाऑपरेशन सिंदूर। इस नाम में है युद्धभूमि की पवित्रता, और मातृभूमि के लिए रक्तदान की प्रतीकात्मकता।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री – शौर्यं तेजः संयमश्च, यत्र भारतसैनिका : एक ट्वीट में शौर्य की परिभाषा लिख दी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने। 'भारत माता की जय' के साथ तिरंगा पोस्ट कर देश को एकजुट होने का संदेश दिया।

अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री – जवाबी कार्रवाई अपरिहार्य थी। हम पूरी मजबूती से सेना और सरकार के साथ हैं। विपक्ष ने एकजुटता दिखाई, यही भारत की ताकत है।

गहलोत ने ट्वीट कर न केवल कार्रवाई का स्वागत किया, बल्कि सरकार और सेना को खुला समर्थन देकर राष्ट्रीय एकता का उदाहरण पेश किया।

दिया कुमारी व प्रेमचंद बैरवा, उपमुख्यमंत्री – दोनों डिप्टी सीएम ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ ऑपरेशन सिंदूर को सलाम किया। उनकी यह पोस्ट दर्शाती है कि राजस्थान की सत्ता पक्ष पूरी तरह सेना के पीछे खड़ा है।

वसुंधरा राजे, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष – जय हिंद! जय हिंद की सेना! संक्षिप्त, मगर प्रभावशाली। वसुंधरा राजे ने अपने ट्वीट से भारत के वीरों को सलामी दी और देशभक्ति की भावना को स्वर दिया।

'सिंदूर' सिर्फ मांग का नहीं, बलिदान का प्रतीक भी है 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम अपने आप में गहरा प्रतीक है। यह केवल सैनिक कार्रवाई नहीं थी, यह मातृभूमि के सिंदूर को सुरक्षित रखने की कसम थी। यह संदेश था कि भारत अब सिर्फ निंदा नहीं करता, निर्णायक प्रहार करता है।

जनता का समर्थन, विपक्ष का भरोसाराष्ट्र पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सरकार को समर्थन देना और विपक्ष की एकजुटता इस अभियान की सफलता को और गाढ़ा करती है। जब राजनीति 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना में रंग जाती है, तब ही ऐसी ऐतिहासिक कार्रवाइयाँ जनसमर्थन से भरपूर होती हैं। निष्कर्ष: सेना ने किया प्रहार, देश ने कहाजय हिंद!

देवनानी की कथावाचक पं. मिश्रा से भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कथा वाचक प्रमोद मिश्रा से भेंट की। देवनानी ने पं. मिश्रा का दुपट्टा पहनाकर अभिनन्दन किया। पं. मिश्रा ने देवनानी को माला पहनाकर आशीर्वाद दिया। पं. मिश्रा ने देवनानी को सिहोर आने का निमन्त्रण दिया। देवनानी ने पं. मिश्रा के साथ सनातन और आध्यात्म के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की। देवनानी ने कहा कि पं. मिश्रा आध्यात्मिकता का संचार अद्भुत और रोचक तरीके से प्रस्तुत करते है।

उनके विचारों में सनातन का संदेश है। देवनानी ने कहा कि लोगों में श्रद्धा का अपार भाव है। सनातन संस्कृति के विभिन्न पहलुओं पर पं. मिश्रा के श्रीमुख से संवाद का लोगों पर व्यापक प्रभाव आता है। वे देश में शिव महापुराण का वाचन कर लोगों को प्रेरणा दे रहे हैं। लोग उनके प्रवचन सुनते हैं और सही रास्ते पर चलने का प्रयास कर रहे हैं, जो लोगों को राष्ट्र की प्रगति में सक्रिय भागीदारी निभाने का सुखद संकेत है।

एवियन बोटुलिज्म की तैयारी और प्रतिक्रिया पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सांभर लेक मैनेजमेंट एजेंसी और पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग राजस्थान सरकार द्वारा वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के सौजन्य से एवियन बोटुलिज़्म की तैयारी और प्रतिक्रिया पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला की अध्यक्षता प्रधान मुख्य वन संरक्षक, प्रशासन एवं समन्वय पवन कुमार उपाध्याय ने की। कार्यशाला की शुरुआत करते हुए मुख्य कार्यकारी अधिकारी सांभर लेक मैनेजमेंट एजेंसी एवं विशिष्ठ शासन सचिव पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग बीजो जोय द्वारा सभी आगंतुकों का स्वागत किया गया और सांभर झील क्षेत्र का एक विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला का मुख्य केंद्र 2019 और 2024 में सांभर झील क्षेत्र में एवियन बॉटलिज्म से पक्षियों की मृत्यु रही। भविष्य में ऐसी त्रासदी को रोकने हेतु एक विस्तृत कार्य योजना बनाने हेतु सभी सम्बंधित विभागों और हितधारकों से विस्तृत चर्चा की गई, और 2019 में जारी की गईड्जझको नवीन रूप देने हेतु सुझावों को आमंत्रित किया गया। इस कार्यशाला के पश्चात एवियन बॉटलिज्म से भविष्य में निपटने के लिए एक नवीन कार्यनीति जारी करने कि कार्यवाही की जाएगी।

कार्यशाला की मुख्य अतिथि शिखा मेहरा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक राजस्थान ने एवियन बॉटलिज्म की तैयारी और प्रतिक्रिया पर विचार रखे।

देश की सुरक्षा की दृष्टि से 50 सामरिक बुनियादी ढांचा परियोजनाएं महत्वपूर्ण : राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को सीमा सड़क संगठन के 66 वें स्थापना दिवस पर सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण देश की 50 महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को ऑनलाइन देश को समर्पित किया। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े भी इस दौरान राजभवन से ऑनलाइन उपस्थित हुए। इन परियोजनाओं में सीमा पाए सड़क की दो परियोजनाएं राजस्थान की भी सम्मिलित है।

राज्यपाल बागड़े ने सीमा सड़क संगठन के स्थापना दिवस की बधाई देते हुए संगठन द्वारा लगभग 1 हजार 900 करोड़ रुपए निवेश की देश की सुरक्षा की दृष्टि से विशिष्ट इन परियोजनाओं को राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सीमा पर सड़कों, पुलों और अन्य बुनियादी ढांचों के निर्माण से राष्ट्र की सीमाओं को और सशक्त, सुरक्षित रखा जा सकेगा।

राज्यपाल बागड़े ने कठिन कार्यदशाओं के बावजूद सीमा सड़क संगठन द्वारा अपनी क्षमताओं को निरंतर मजबूत करने की भी विशेष रूप से सराहना की। राज्यपाल के सचिव डा. पृथ्वी भी इस दौरान उपस्थित रहे। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई कार्यवाही के अंतर्गत भारत की सेना के शौर्य को भी नमन किया।

उन्होंने कहा कि आतंकियों के हौसले को पस्त करने के लिए राष्ट्र की सेना ने नागरिकों के ठिकानों को प्रभावित किए बगैर सटीक, सतर्क और संयमित कार्यवाही की है।

प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों ने मुख्य सचिव से की मुलाकात

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा आपको राष्ट्र की सेवा करने का अवसर देती है। प्रशासनिक अधिकारियों को मेहनत, सकारात्मक दृष्टिकोण, संवेदनशीलता एवं पूर्ण ईमानदारी के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आमजन की मदद करना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए।

भारतीय प्रशासनिक सेवा.2024 बैच के 14 प्रशिक्षु अधिकारियों ने बुधवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव सुधांश पंत से मुलाकात की। पंत ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। संवाद के दौरान उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों के साथ अपनी ट्रेनिंग से जुड़े अनुभव भी साझा किए।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों को निरंतर सीखने की जिज्ञासा बनाए रखनी चाहिए। जनसाधारण के जीवन को अधिक सहज और समृद्ध बनाने के लिए उन्हें निरंतर नई संभावनाओं और नवाचारों के लिए तत्पर रहना चाहिए। पंत ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अपनी अवलोकन क्षमता से प्रशासनिक दक्षता प्राप्त करें, अभी आप जो सीखते हैं वह जीवन भर आपके काम आता है। उन्होंने आमजन की सेवा के लिए लोगों से अधिक से अधिक जुड़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने आपको प्रदेश के विकास में योगदान देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है । इसे ईमानदारी और प्रतिबद्धता से सिद्ध करें। इस अवसर पर अतिरिक्त महानिदेशक, एच.सी.एम. रीपा, श्रीमती शैली किशनानी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विकसित भारत में कृषि की केंद्रीय भूमिका : जाट

जयपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के नव नियुक्त महानिदेशक डा एम एल जाट चुनौतियों में अवसर तलाशने को श्रेष्ठता की पहचान बताते वैज्ञानिकों को उपज-अंतर को पाटने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया और कहा कि हर जिले के लिए स्थान-विशिष्ट, व्यावहारिक और किसानों के लिए सहज तकनीकी समाधान तैयार किए जाने चाहिए। डा जाट आईसीएआर के तत्वावधान में यहां आयोजित तीन दिवसीय खरीफ दलहन वार्षिक समूह बैठक-2025 के शुभारंभ के अवसर पर बोल रहे थे। राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (रारी), दुर्गापुरा में शुरु हुआ यह राष्ट्रीय सम्मेलन नौ मई तक चलेगी जिसमें देशभर के दलहन वैज्ञानिक, नीति-निर्माता, विशेषज्ञ एवं विभागीय अधिकारी भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में खरीफ मौसम की प्रमुख दलहनी फसलों मूंग, उड़द, ग्वार, मोठ आदि पर अनुसंधान, उत्पादन, विपणन, प्रसंस्करण एवं नीति संबंधी विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श हो रहा है।

छात्रा से दुष्कर्म करने के दोषी को 20 वर्ष का कठोर कारावास

श्रीगंगानगर/दक्षिण भारत। राजस्थान में श्रीगंगानगर के यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम मामलों की विशेष अदालत (संख्या 2) ने एक स्कूली छात्रा का अपहरण करके उससे दुष्कर्म करने के दोषी युवक को बुधवार को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश ने संदीप उर्फ गुरी को नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म करने का दोषी करार देते हुए उस पर एक लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना भी किया। श्रीगंगानगर के करणपुर थाना क्षेत्र में जुलाई 2023 में संदीप 15 वर्षीय छात्रा को बहला फुसला कर ले गया और उससे दुष्कर्म किया।

अलवर में 117 बंगलादेशी नागरिक पकड़े गए

अलवर/दक्षिण भारत। राजस्थान में अलवर में पुलिस ने रामगढ़, राजगढ़ और बगड़ तिराहा के समीप से 117 बंगलादेशी नागरिकों को पकड़ा है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि इनका मिनी सचिवालय स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में सत्यापन किया जा रहा है। प्रशासन उनकी पहचान और वैधता की जांच कर रहा है। उधर, प्रशासन ने जिले में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करते हुए नागरिकों से अफवाहों से बचने और शांति बनाए रखने का अनुरोध किया है। मॉकड्रिल और बंगलादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

हम भारतीय सेना और सरकार के साथ खड़े हैं : गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा किए गए मिसाइल हमलों का स्वागत करते हुए बुधवार को कहा कि हम पूरी मजबूती से भारतीय सेना तथा भारत सरकार के साथ खड़े हैं। गहलोत ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, भारतीय सेना के 'ऑपरेशन सिंदूर' ने पाकिस्तानी आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर आतंक पर कड़ा प्रहार किया है। 'जय हिंद' और भारतीय तिरंगे की इमोजी के साथ गहलोत ने पोस्ट में कहा, कांग्रेस पार्टी और पूरा भारत इस कार्रवाई का स्वागत करता है और हम भारतीय सेना तथा भारत सरकार के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले के दो सप्ताह बाद सख्त जवाबी कार्रवाई करते हुए मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किये, जिनमें आतंकवादी समूहों लश्कर-ए-तोएबा और जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ भी शामिल हैं।

राजस्थान में आगामी दिनों में आंधी व बारिश का दौर जारी रहने की संभावना

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में आने वाले दिनों में आंधी व बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के जयपुर केंद्र के अनुसार राज्य के दक्षिणी, पूर्वी तथा पश्चिमी भागों में आगामी तीन-चार दिन मेघ गर्जन के साथ हल्की मध्यम बारिश तथा 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे के रफ्तार से आंधी की संभावना है। इसके अलावा, 12 और 13 मई से आंधी-बारिश का दौर शांत होने तथा तापमान में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी होने की संभावना है। राज्य में आगामी पांच से छह दिन भीषण गर्मी की संभावना नहीं है। इसके अनुसार आज बुधवार को पश्चिमी विक्षोभ परिसंचरण तंत्र के रूप में मध्यप्रदेश के पश्चिमी भागों व आसपास के क्षेत्र के ऊपर बना हुआ है। आईएमडी ने बताया कि इसके प्रभाव से आज उदयपुर, कोटा संभाग के कुछ हिस्सों में तेज मेघ गर्जन होने, 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने व कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। इसने बताया कि आज जोधपुर, बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर संभाग में भी कहीं-कहीं हल्की मध्यम बारिश व मेघ गर्जन की संभावना है।

योगी आदित्यनाथ 'निवर्तमान मुख्यमंत्री', सभी वर्ग मिलकर उनकी सरकार को हटा देंगे : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को निवर्तमान मुख्यमंत्री बताते हुए उनकी सरकार पर ब्राह्मण विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि समाज के सभी वर्ग मिलकर इस सरकार को हटा देंगे। यादव ने यहां पार्टी राज्य मुख्यालय पर पूर्व सपा विधायक पवन पांडेय की अगुवाई में ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करके उनकी समस्याएं सुनीं।

इसके बाद उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार पर ब्राह्मण विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने सरकार द्वारा ब्राह्मण समाज को निशाना बनाये जाने का आरोप लगाया और मुख्यमंत्री पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''उन्हें हाता नहीं भाता, तिलक नहीं लुभाता। क्योंकि आप विरोधी हैं और उन्हें लगता है कि आप उन्हें राजनीतिक रूप से कमजोर कर सकते हैं इसीलिए सब राजनीतिक कार्रवाई हो रही है।'' आदित्यनाथ को 'निवर्तमान मुख्यमंत्री' (आउटगोइंग सीएम) बताते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा, वह निवर्तमान मुख्यमंत्री हैं, इसीलिए अन्याय ज्यादा हो रहा है। दो उपमुख्यमंत्री भी हैं।'' उन्होंने कहा, ''ब्राह्मण उत्पीड़न का सवाल हम लोगों ने कोई पहली बार नहीं उठाया है। याद कीजिए वह समय जब कानपुर देहात में एक परिवार को जिंदा जला दिया गया था। जब उस परिवार का बेटा न्याय मांगने गया तो उसे सर्दी में पुलिस ने कपड़े उतारकर पीटा था। अपमानित किया था।''

संभल की अदालत ने राहुल गांधी को उनकी टिप्पणी को लेकर नोटिस जारी किया

संभल (उप्र)/भाषा। संभल की एक अदालत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को बुधवार को नोटिस जारी कर उनसे ''इंडियन स्टेट से लड़ाई'' वाले उनके बयान को लेकर 16 जून तक जवाब दाखिल करने को कहा है। अपर जिला न्यायाधीश (एडीजे-द्वितीय) आरती फौजदार ने हिंदू शक्ति दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष सिमरन गुप्ता द्वारा दायर शिकायत पर यह नोटिस जारी किया है। राहुल गांधी ने इसी साल 15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस ने देश की हर संस्था पर कब्जा जमा लिया है और कहा, ''हमारी लड़ाई अब भाजपा, आरएसएस से ही नहीं, बल्कि 'इंडियन स्टेट' (भारतीय राज व्यवस्था) से भी है।'' गुप्ता ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''पिछली 15 जनवरी को दिल्ली में कांग्रेस के नए मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान राहुल गांधी ने कहा था कि हमारी लड़ाई केवल आरएसएस और भाजपा से नहीं बल्कि भारत राज्य से भी है।'' हिंदू शक्ति दल प्रमुख ने कहा कि यह टिप्पणी देश के नागरिकों और लोकतंत्र के प्रति अनादर को दर्शाती है। अदालत ने पहले गांधी को चार अप्रैल को पेश होने के लिए कहा था और बाद में जवाब दाखिल करने के लिए तारीख बढ़ाकर सात मई कर दी थी। हालांकि, बुधवार को उनके वकील के अदालत में उपस्थित न होने पर एक सहयोगी कनिष्ठ वकील ने नई तारीख मांगी, जिसे अदालत ने स्वीकार करते हुए अगली सुनवाई की तारीख 16 जून तय की है।

पंड्या और नेहरा पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिये जुर्माना

मुंबई/भाषा। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम पर धीमी ओवरगति के लिये भारी जुर्माना लगाया गया जबकि गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर खेलभावना के विपरीत आचरण के लिये जुर्माना और डिमेरिट अंक लगाये गए । मुंबई को आईपीएल के वर्षाबाधित मैच में गुजरात ने डकवर्थ लुईस प्रणाली के आधार पर तीन विकेट से हराया । आईपीएल ने एक बयान में कहा ,'' यह आईपीएल आचार संहिता के तहत इस सत्र में उनकी टीम का धीमी ओवरगति का दूसरा अपराध था । पंड्या पर 24 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया है ।''

मुंबई की बाकी टीम और स्थानापन्न खिलाड़ियों पर छह लाख रुपए या उनकी मैच फीस के 25 प्रतिशत में से जो कम हो, जुर्माना लगाया गया है । नेहरा की गलती के बारे में विज्ञप्ति में बताया नहीं गया लेकिन बार बार बारिश के कारण मैच रूकने के दौरान उन्हें आपा खोते देखा गया । वह मैदानी अंपायरों से भी बार बार बात कर रहे थे । आईपीएल ने कहा ,'' गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के कारण एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया । उन्होंने लेवल एक का अपराध किया है जो खेलभावना के विपरीत आचरण के संबंध में है । उन्होंने सजा स्वीकार कर ली है ।'

भारत अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देना जानता है : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर भारत की सैन्य कार्रवाई पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि देश अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देना जानता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के दुश्मनों को उनके घर में घुसकर मारा जाएगा। उन्होंने कहा, यह नया भारत है। भारत अपने दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब देना जानता है। भारत के दुश्मन चाहे कहीं भी हों, उन्हें उनके घर में घुसकर मारा जाएगा। मुख्यमंत्री ने मंगलवार देर रात 'ऑपरेशन सिंदूर' का एक पोस्टर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें लिखा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने माकूल जवाब दिया है और भारतीय सशस्त्र बलों ने पहलगाम आतंकी हमले का बदला ले लिया है। इससे पहले शर्मा ने 'जय हिंद' के नारे के साथ 'ऑपरेशन सिंदूर' का एक पोस्टर पोस्ट करते हुए पाकिस्तान तथा पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादियों के ठिकानों पर की गई भारतीय सशस्त्र बलों की कार्रवाई की प्रशंसा की थी।

मुख्यमंत्री ने लड़ाकू विमानों और वायुसेना के जवानों का एक छोटा वीडियो भी पोस्ट किया और लिखा, भारत की आन बान और शान – भारत की सेना। उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की इस कार्रवाई पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की पोस्ट को साझा भी किया। भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात पाकिस्तान एवं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना शामिल है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत ये सैन्य हमले किए गए। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 भारतीय नागरिकों की जान गई थी।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद ममता बनर्जी बोलीं : 'जय हिंद, जय इंडिया'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए हमलों के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया सामने आई है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, 'जय हिंद! जय इंडिया!'

मुख्यमंत्री का यह संदेश आतंकी ठिकानों पर भारतीय सेना द्वारा की गई सैन्य कार्रवाई के बाद आया। इस पोस्ट को राष्ट्र की सुरक्षा में लगे बलों के प्रति समर्थन के रूप में देखा जा रहा है।

यह प्रतिक्रिया ममता बनर्जी के उस पहले रुख के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने कहा था कि तृणमूल कांग्रेस भारतीय जमीन पर हुए आतंकी हमलों के खिलाफ केंद्र सरकार की कार्रवाई में, उसके साथ खड़ी रहेगी।

भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात पाकिस्तान एवं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ और मुरीदके में लश्कर-ए-तैयबा का ठिकाना शामिल है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत ये सैन्य हमले किए गए। पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 भारतीय नागरिकों की जान गई थी।

भारतीय किसान यूनियन ने अपने सभी आंदोलन स्थगित किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। भारतीय सेना द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाली कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद उत्पन्न हालात को देखते हुए भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) ने बुधवार को अपने सभी आंदोलन, धरने और विरोध-प्रदर्शन कार्यक्रम स्थगित कर दिए।

भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने 'फेसबुक' पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा कि संगठन ने देश में मौजूदा माहौल को देखते हुए अपने सभी विरोध-प्रदर्शनों को स्थगित करने का फैसला किया है।

टिकैत ने वीडियो संदेश में कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति के कारण हमने अपने सभी आंदोलन स्थगित कर दिए हैं। हम इस कार्रवाई का स्वागत करते हैं और सरकार से आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाने का आग्रह करते हैं।'' उन्होंने अभियान के लिए सेना के अधिकारियों को बधाई भी दी और आतंकवाद के खिलाफ सरकार के प्रयासों में पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

भारतीय किसान यूनियन किसानों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर आंदोलन कर रहा है।

थरूर, गोगोई ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए सरकार की तारीफ की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं शशि थरूर और गौरव गोगोई ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों को निशाना बनाते हुए किए गए मिसाइल हमलों के लिए बुधवार को सरकार की सराहना की और सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता व्यक्त की।

थरूर ने कहा कि अनियंत्रित टकराव को रोकने की खातिर सभी संबंधित पक्षों के लिए समझदारी से काम लेने का समय आ गया है। थरूर ने अपने लेख को साझा करते हुए पोस्ट में कहा, ''लक्ष्य बनाकर आतंकवाद और आतंकवादियों के विरुद्ध सोचा-समझा, सुनियोजित और सटीक हमला। ठीक वैसे ही जैसा मैंने पिछले हफ्ते कहा था। बुरी तरह मारो, समझदारी से मारो। मैं सरकार की सराहना करता हूं और अपने सशस्त्र बलों के साथ मजबूती से खड़ा हूं। हमने इस तरह की कार्रवाई की है, जिसमें टकराव और बढ़ाने को उचित नहीं ठहराया जा सकता। हमने अपनी बात रखी है और आत्मरक्षा में कदम उठाया है।''

थरूर ने कहा कि अनियंत्रित तनाव को रोकने की खातिर सभी संबंधित पक्षों के लिए यह समझदारी से काम लेने का समय है। इससे पहले एक अन्य पोस्ट में थरूर ने लिखा, ''आज अपने देश पर गर्व है। जय हिंद!'' लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैं मंगलवार रात के जवाबी हवाई हमलों को लेकर सशस्त्र बलों और सरकार द्वारा की गई पहल की सराहना करता हूं। यह समय राष्ट्रीय एकता और हमारे सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता प्रकट करने है। जय हिंद!'' भारतीय वायुसेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठनों के ठिकानों समेत आतंकियों के छिपने के नौ अड्डों को रात के वक्त निशाना बनाया।

नकदी विवादः न्यायमूर्ति वर्मा पर लगे आरोपों की जांच पैनल ने की पुष्टि, सीजेआई ने मांगा जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय की ओर से नियुक्त पैनल ने अपनी जांच रिपोर्ट में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा पर नकदी बरामद होने के मामले के संबंध में लगे आरोपों की पुष्टि की है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

बताया जा रहा है कि भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने भी रिपोर्ट में महत्वपूर्ण निष्कर्षों के मद्देनजर न्यायाधीश को पद छोड़ने के लिए कहा है। सूत्रों ने बताया कि सीजेआई ने पैनल की रिपोर्ट न्यायमूर्ति वर्मा को भेज दी है और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन करते हुए उनसे जवाब मांगा है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जी एस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति अनु शिवरामन की तीन सदस्यीय समिति ने सीजेआई को रिपोर्ट सौंपी। रिपोर्ट को तीन मई को अंतिम रूप दिया गया था। पैनल ने साक्ष्यों का विश्लेषण किया और 50 से अधिक लोगों के बयान दर्ज किए, जिनमें दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा और दिल्ली अग्निशमन सेवा प्रमुख भी शामिल थे, जो 14 मार्च को रात करीब 11:35 बजे लुटियंस दिल्ली में स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के आवास में आग लगने की घटना के बारे में शुरुआती जानकारी देने वालों में शामिल थे।

'आपरेशन सिंदूर' : तेंदुलकर समेत खिलाड़ियों ने भारत की कार्रवाई की सराहना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिये भारतीय सेना के 'आपरेशन सिंदूर' की भारतीय खेल जगत ने सराहना की है और चैम्पियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने तो कहा ,''एकता में निडर, शक्ति में असीम।''

भारतीय सशस्त्र बलों ने बुधवार तड़के पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल है।

यह कार्रवाई पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में की गई जिसमें 26 लोग मारे गए थे और अधिकांश पर्यटक थे ।

तेंदुलकर ने 'एक्स ' पर लिखा ,'' एकता में निडर, शक्ति में असीम । भारत की ढाल उसके लोग हैं । दुनिया में आतंकवाद के लिये कोई जगह नहीं है । हम एक टीम हैं । जय हिंद ।''

पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने लिखा ,'' अगर कोई आप पर पत्थर फेंके तो उस पर फूल फेंको लेकिन गमले के साथ । जय हिंद ।''

भारत की 2011 वनडे विश्व कप जीत के नायक युवराज सिंह ने लिखा ,'' हमारे देश की ताकत इसके लोगों की एकता और सही की रक्षा करने के हमारे संकल्प में है । हम एक देश ही नहीं बल्कि एक टीम के रूप में हर उस ताकत के खिलाफ साथ है जो अमन के लिये खतरा है । समरसता चाहने वाले विश्व में आतंकवाद के लिये कोई जगह नहीं हो सकती ।''

पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने लिखा ,'' भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की ।''

पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान और ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल ने कहा ,'' जय हिंद ।''

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच और भाजपा के पूर्व सांसद गौतम गंभीर ने आपरेशन सिंदूर तस्वीर के साथ लिखा ,' जय हिंद ।'

तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आपरेशन सिंदूर की तस्वीर के साथ लिखा ,'' भारतीय सशस्त्र बल ने प्रतिकूलता को सशक्त फतेह में बदल दिया । भारतीय सेना के शौर्य और साहस ने हम सभी को गौरवान्वित किया है ।''

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने भी भारत की कड़ी प्रतिक्रिया की सोशल मीडिया पर सराहना की।

ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह और पहलवान योगेश्वर दत्त ने भी इसकी सराहना की ।

विजेंदर ने लिखा ,'' भारत माता की जय ।''

योगेश्वर ने लिखा ,'' आतंकवाद अब बर्दाश्त नहीं करेगा भारत । जय हिंद, जय जवान ।''

रोहित शर्मा ने तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रोहित शर्मा ने बुधवार को तत्काल प्रभाव से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की जिससे सबसे लंबे प्रारूप में उनके भविष्य को लेकर सभी अटकलें खत्म हो गईं।

यह 38 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर के दूसरे भाग में भारत के सबसे सफल टेस्ट बल्लेबाजों में से एक था। रोहित ने 67 टेस्ट में 12 शतक और 18 अर्धशतक की मदद से 40.57 की औसत से 4301 रन बनाए।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत की कप्तानी की। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर पिछली श्रृंखला और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बोर्डर-गावस्कर श्रृंखला के अलावा कप्तान के रूप में उनका प्रदर्शन प्रभावी रहा।

इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला के लिए भारत के पास एक नया टेस्ट कप्तान होगा जिसके संभावित उम्मीदवार जसप्रीत बुमराह, लोकेश राहुल, शुभमन गिल और ऋषभ पंत हो सकते हैं।

रूसी दूतावास ने बीजू पटनायक के सम्मान में विशेष पट्टिका का किया अनावरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। रूस ने स्वतंत्रता सेनानी एवं ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक के सम्मान में बुधवार को नई दिल्ली स्थित अपने दूतावास में एक स्मारक पट्टिका का अनावरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

यह कार्यक्रम द्वितीय विश्व युद्ध में विजय की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाये जाने वाले समारोह का हिस्सा था। बीजू जनता दल (बीजद) के प्रमुख एवं बीजू पटनायक के छोटे पुत्र नवीन पटनायक राष्ट्रीय राजधानी स्थित रूसी दूतावास में आयोजित समारोह में शामिल हुए। पटनायक ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्टेलिनग्राद ऑपरेशन में बीजू पटनायक के योगदान को याद करने के लिए नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास में स्मारक पट्टिका के अनावरण समारोह में शामिल होकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। स्टेलिनग्राद की लड़ाई ने नाजी जर्मनी के खिलाफ युद्ध में रूस को सफलता दिलायी, जिसने दुनिया को अनकही भयावहता से बचाया। ओडिशा के लोग बीजू पटनायक के लिए इस सम्मान से बेहद प्रसन्न होंगे, जिनका वे बहुत आदर करते हैं। सम्मान के लिए भारत में रूसी दूतावास का धन्यवाद।''

रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता पटनायक को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए विशेष रूप से आमंत्रित किया था।

भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 23 रन से हराया, फाइनल में प्रवेश किया

महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलंबो/भाषा। जेमिमा रोड्रिग्स के करियर के सर्वश्रेष्ठ शतक की बदौलत भारत ने बुधवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 23 रन से हराकर महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला के फाइनल में प्रवेश किया। चौबीस वर्षीय जेमिमा रोड्रिग्स ने 101 गेंदों पर 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 123 रन की तेज पारी खेली। यह उनका दूसरा एकदिवसीय शतक है इसकी मदद से भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 337 रन बनाए।

सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (51) और दीप्ति शर्मा (93) ने अर्धशतक जमाए। दक्षिण अफ्रीका की टीम 50 ओवर में सात विकेट पर 314 रन ही बना सकी जिसमें एनेरी डर्कसेन ने 81 रन बनाए और कप्तान क्लो ट्रायोन ने 67 रन का योगदान दिया। भारत के लिए अमनजोत कौर तीन विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहीं जबकि दीप्ति शर्मा ने दो विकेट लिए।

ओलंपिक में भाग लेने वाले निशानेबाज परोक्ष रूप से खुद पर दबाव डालते हैं : रुद्रांक्ष पाटिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के शीर्ष राइफल निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल का मानना है कि देश के निशानेबाजों को ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करने से रोकने वाले मुख्य कारकों में से एक इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से पूर्व उनका स्वयं पर परोक्ष रूप से बनाया दबाव है जो प्रतियोगिता के दौरान उनके धैर्य को भंग करता है।

पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष को लगता है कि वह ओलंपिक स्वर्ण जीतने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाने सहित कई सामूहिक कारकों के कारण पिछले साल ओलंपिक चयन ट्रायल के दौरान उनका प्रदर्शन खराब रहा जिससे पेरिस जाने की उनकी उम्मीदें खत्म हो गईं। अभिनव बिंद्रा के एयर राइफल में ओलंपिक स्वर्ण जीतने के बाद भारत की सर्वश्रेष्ठ पदक उम्मीदों में से एक माने जाने वाले रुद्रांक्ष ने कहा कि बड़ी खेल प्रतियोगिता से पहले बनाई गई 'हाइप' खिलाड़ियों के प्रतियोगिता के दौरान अत्यधिक दबाव में आने का एक मुख्य कारण था। रुद्रांक्ष ने पीटीआई से कहा, ''यहां तक कि जब एशियाई खेलों की बात आती है तो मुझे लगता है कि यह कई खेल आयोजनों (विदाई समरोह) का एक साथ होना है। इसलिए माहौल पूरी तरह से अलग है (एशियाई और ओलंपिक खेलों के लिए) जो अचानक आप पर दबाव डालता है।''

उन्होंने कहा, ''जब हम विश्व कप के लिए जाते हैं तो कोई भी इस पर टिप्पणी नहीं करता है कि क्या होने वाला है। कोई भी कुछ नहीं कहता है इसलिए दबाव नहीं होता है। लेकिन जब हम (एशियाई और ओलंपिक) खेलों में जाते हैं तो बहुत सारे किट लॉन्च होते हैं और मीडिया से बहुत सारी बातचीत होती है और बहुत सी चीजें होती हैं जो मुझे लगता है कि परोक्ष रूप से दबाव बढ़ाती हैं।''

सुविचार

खुद को खोजो, नहीं तो दूसरे लोगों
की राय पर निर्भर रहना पड़ेगा
जो खुद को नहीं जानते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत ने किया इन्साफ

पहलगाम में भारत की बेटियों के सिंदूर उजाड़ने वालों को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत मुंहतोड़ जवाब दे दिया गया है। इसके लिए भारतीय सशस्त्र बलों और खुफिया एजेंसियों ने सराहनीय कार्य किया है। उन्हें बधाई, समस्त देशवासियों को बधाई। भारत ने पीओके से लेकर पाकिस्तान की जमीन पर चलने वाले दहशत के अड्डों को जिस तरह तबाह किया, उनकी तस्वीरें और वीडियो देखकर देशवासियों को संतोष हुआ है। पहलगाम में जिन निर्दोष लोगों ने प्राण गंवाए, वे तो वापस नहीं आ सकते, लेकिन भारत सरकार ने असल गुनहगारों को सज़ा देकर इन्साफ दिलाने का काम किया है। हालांकि अभी पूरा इन्साफ होना बाकी है। असल लड़ाई बाकी है। पिछली बार जब पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक की गई थीं, तब कई लोगों ने सबूत मांगे थे। इस बार पाकिस्तानी ही आगे आकर सबूत दे रहे हैं कि भारत ने अंदर तक घुसकर जबर्दस्त तबाही मचा दी। पश्चिमी मीडिया, जो पाकिस्तान के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयों को बहुत कम महत्त्व देता है, को भी स्वीकार करना पड़ रहा है कि चोट जोरदार लगी है। जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मौलाना मसूद अजहर के कुनबे के एक दर्जन से ज्यादा लोग परलोक सिधार गए। इस खूंखार आतंकवादी ने न जाने कितने परिवारों की खुशियां छीनी होंगी। अब कर्मफल कई गुणा होकर इसके घर पहुंचा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी के बाद समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर इस बात को लेकर बहस छिड़ी है कि कितने आतंकवादी मारे गए? दरअसल ऐसी बहस किसी सटीक आंकड़े तक पहुंच ही नहीं सकती। हमारे सशस्त्र बलों के जिम्मे आतंकवादियों पर बमवर्षा करना था। किस कैंप में कितने आतंकवादी ढेर हुए, इसकी गिनती पाकिस्तानी आतंकी संगठन, फौज और आईएसआई करें।

भारत की ओर से जिस स्तर पर कार्रवाई हुई, जैसी तस्वीरें आ रही हैं, जितनी मात्रा में मलबा बिखरा हुआ है, पाकिस्तानी अस्पतालों में जैसी अफरा-तफरी मची हुई है, एंबुलेंसें चक्कर लगा रही हैं ... इन सबसे साफ पता चलता है कि कई दर्जन आतंकवादी निश्चित रूप से मारे गए हैं। सवाल है- अब पाकिस्तान का अगला कदम क्या होगा? इस पड़ोसी देश की फौज, सरकार और आतंकी संगठनों की जिस तरह किरकिरी हुई है, उसके बाद ये अपनी नकली छवि चमकाने के लिए कोई हरकत कर सकते हैं। बड़ा युद्ध छेड़ने की इनमें हिम्मत नहीं है। अगर पाकिस्तान ने कोई दुस्साहस किया तो भारत उचित प्रतिक्रिया देगा। इस बीच सोशल मीडिया पर फर्जी वीडियो की बौछार देखने को मिल रही है। उनके जरिए लोगों को भ्रमित किया जा रहा है। 'एक्स' पर कई अकाउंट ऐसे हैं, जिन पर दी गई सामग्री में यह दिखाने की कोशिश की जा रही है कि पाकिस्तान को कोई नुकसान नहीं हुआ! इसे पाकिस्तान के कथित पत्रकार और एंकर शेयर कर रहे हैं। भारत में भी कई लोग दुष्प्रचार के शिकार हो रहे हैं। ये फर्जी अकाउंट पाकिस्तान से संचालित हो रहे हैं। इनका काम है- आईएसआई के इशारे पर झूठे दावे कर पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और आतंकवादी संगठनों के पक्ष में माहौल बनाना। भारत सरकार को ऐसे अकाउंटस पर जल्द प्रतिबंध लगाना चाहिए। हाल में पाकिस्तान के कई यूट्यूब चैनल, इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में प्रतिबंधित किए गए थे। ऐसे लोग अब नए चैनल बनाकर दुष्प्रचार में जुट गए हैं। दरअसल उन्होंने ये चैनल पहले ही बनाकर रख लिए थे। इन पर फॉलोअर्स की संख्या तेजी से बढ़ रही है। ये चैनल बढ़कर बड़े हो जाएं, इससे पहले इन पर ताला लगा देना चाहिए। जब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शुरू कर दी है तो चौतरफा हमले करने होंगे। अब पाक पर कोई रहम नहीं होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

केवड़िया में आयोजित सांसद-विधायक प्रशिक्षण शिविर के प्रेरणादायक आयोजन के दौरान गुजरात की लोक कला को जानने और समझने का सुअवसर अवसर मिला। कलाकारों की विभिन्न प्रस्तुतियों ने इस महान भूमि की जीवंत संस्कृति को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।

-दीया कुमारी

दण्डो दमयतामस्मि नीतिरस्मि जिगीषताम गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है दुष्टोंको दुष्टतासे बचाकर सन्मार्गपर लानेके लिये दण्डनीति मुख्य है । मानवता के दुश्मनों को कठोर दंड देने के लिए आभार प्रधानमंत्री जी। देश की अजेय सेना को बधाई ।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

भारतीय राष्ट्रगान के रचयिता एवं नोबेल पुरस्कार से सम्मानित गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी जयंती पर सादर नमन। उनके साहित्यिक योगदान ने न केवल भारतीय संस्कृति को समृद्ध किया, अपितु विश्व मंच पर भारतीय चिंतन को प्रतिष्ठित भी किया।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

संवेदनशीलता के कवि

फ्रेंच कवि लैटिमर सादगीपसंद थे। शानो-शौकत से उन्हें उतना लगाव नहीं था, फिर भी उनके मन में एक घोड़ागाड़ी खरीदने की चाहत थी। लैटिमर साहब इस हेतु तिनका-तिनका जोड़ने लगे, अपना पेट काटकर रुपया जोड़ना प्रारंभ किया। दो वर्ष बाद उनके पास एक हजार फ्रेंक जुट गए। उन्होंने घोड़ागाड़ी खरीदने की सोची। इसी बीच उनकी विधवा पड़ोसिन उनके पास आई और रोते-बिलखते उन्हें अपनी व्यथा सुनाने लगी। उसके चार छोटे बच्चे थे और वह पति की मृत्यु के पश्चात उनका जैसे-तैसे पालन कर रही थी। उसके घर पर साहूकार कब्जा करना चाहता था। वह रो रही थी कि अब चार बच्चों को लेकर कहां जाएगी? लैटिमर साहब ने तुरंत ही अपने जमा किए हुए एक हजार फ्रेंक उस विधवा स्त्री को दे दिए। संवेदनशीलता ही मानवता की पहचान है।

सामयिक

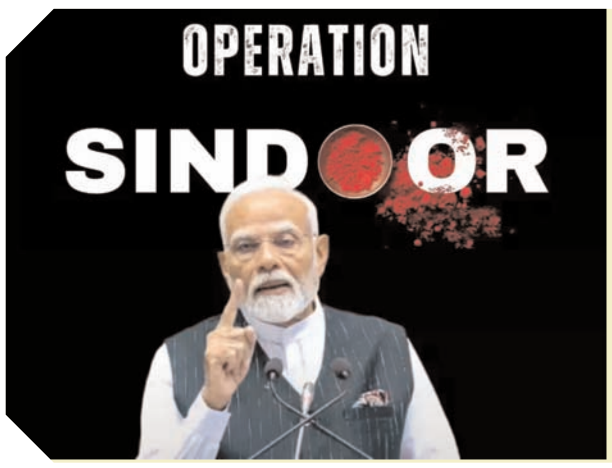

भारत की इस कार्रवाई का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह केवल सीमा पर हो रही एक सैन्य गतिविधि नहीं थी, बल्कि यह एक व्यापक रणनीतिक संदेश था। यह संदेश था उन ताकतों के लिए जो भारत की शांति और विकास में बाधा डालना चाहते हैं। यह उन देशों के लिए भी चेतावनी थी जो आतंकवाद को अपने कूटनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग करते हैं। भारत सरकार का यह कदम निश्चित रूप से आने वाले समय में एक नजीर बनेगा।

ऑपरेशन सिंदूर

आतंक के खिलाफ भारत की निर्णायक चोट

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
मोबाइल : 9955818270

भारत ने वर्षों से आतंकवाद की विभीषिका को झेला है, किन्तु अब समय आ गया है जब सहनशीलता के स्थान पर सशक्त प्रतिकार ने स्थान ले लिया है। पहलगाम में हुए निर्मम आतंकी हमले ने न केवल निर्दोषों का लहू बहाया, बल्कि देश की आत्मा को झकझोर कर रख दिया। इस कायरतापूर्ण कृत्य का उत्तर भारत ने जिस वीरता और रणनीतिक चातुर्य से दिया, वह न केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन था, बल्कि न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का उद्घोष भी था। 'ऑपरेशन सिंदूर' केवल एक सैन्य अभियान नहीं था, यह उन शहीदों की पत्नियों के सिंदूर की रक्षा में उठाया गया संकल्प था, जिनके सुहाग आतंक ने छीन लिए थे। इस अभियान ने दिखा दिया कि भारत अब आतंक के हर वार का जवाब निर्णायक ढंग से देगा, चाहे वह सरहद पार हो या देश के भीतर। भारत और पाकिस्तान के बीच दशकों से चला आ रहा तनाव एक बार फिर गंभीर मोड़ पर आ गया है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस हमले में न सिर्फ निर्दोष नागरिकों की निर्मम हत्या की गई, बल्कि यह वारदात भारत की आंतरिक सुरक्षा को चुनौती देने वाली थी। इस क्रूर घटना के पीछे जिस तरह से आतंकियों ने आम लोगों को उनके परिवार के सामने मौत के घाट उतारा, उससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया। इस नृशंस हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन ढ्ळऋने ली, जो संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिबंधित संगठन है और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है। यह घटना न केवल एक आतंकी हमला थी, बल्कि भारत की सुरक्षा, संप्रभुता और सामाजिक सद्भाव पर सीधा प्रहार था।

भारत सरकार ने इस हमले के महज 15 दिन बाद एक निर्णायक जवाब देने का निर्णय लिया। इस सैन्य प्रतिक्रिया को ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया, जो उन महिलाओं की पीड़ा को सम्मान देने का प्रयास था जिन्होंने इस हमले में अपने पतियों को खो दिया। ऑपरेशन सिंदूर, भारत की उस नीति का स्पष्ट उदाहरण है जिसमें अब आतंक का जवाब केवल शब्दों से नहीं, बल्कि सटीक और निर्णायक कार्रवाई से दिया जाएगा। विगत रात को भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के अंदर गहराई तक जाकर नौ प्रमुख आतंकी ठिकानों पर सर्जिकल एयर स्ट्राइक की। यह हमला रात 1:04 बजे शुरू हुआ और केवल सात मिनट के भीतर सभी लक्ष्यों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। कुल 25 मिनट के इस ऑपरेशन में लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे कुख्यात संगठनों के मुख्य अड्डों को खत्म कर दिया गया। इस कार्रवाई में 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई, जिनमें लश्कर का उच्च-मूल्य लक्ष्य हाफिज अब्दुल मलिक भी शामिल था। मलिक की मौत मुरीदके स्थित मरकज तैयबा में हुई, जो लश्कर का सबसे अहम ट्रेनिंग सेंटर माना जाता है।

यह कार्रवाई केवल एक सैन्य जवाब नहीं थी, बल्कि यह भारत की उस नई रणनीतिक सोच की अभिव्यक्ति थी जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ समझौता नहीं किया जा सकता। बुधवार सुबह सरकार, सेना और वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों ने एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी साझा की। इस कॉन्फ्रेंस में पहली बार भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन के तकनीकी और रणनीतिक पक्षों को प्रस्तुत किया। इससे यह संकेत भी मिला कि भारत की सैन्य नीति में अब महिलाओं की भूमिका भी निर्णायक और अग्रणी होती जा रही है। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिखाया गया दो मिनट का वीडियो भी खासा प्रभावशाली रहा, जिसमें भारतीय वायुसेना की मिसाइलों द्वारा आतंकी ठिकानों को तबाह करते हुए स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था। इन ठिकानों में आतंकियों के रहने, हथियार जमा करने और ट्रेनिंग लेने की पूरी व्यवस्था थी। ये स्थान न केवल आतंकियों की घुसपैठ का माध्यम थे, बल्कि भारत के खिलाफ कट्टरपंथी विचारधारा फैलाने के अड्डे भी थे।

अब यह समझना आवश्यक है कि भारत ने किन-किन ठिकानों को निशाना बनाया और क्यों? बहावलपुर स्थित मरकज सुभान अल्लाह, जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख केंद्र है जहां पुलवामा हमले की साजिश रची गई थी। मुरीदके का मरकज तैयबा लश्कर का प्रमुख ट्रेनिंग हब है और यहां से भारत विरोधी गतिविधियों की योजना बनाई जाती है। सरजाल के तेहरा कलां गांव में जैश का एक लॉन्च पैड प्राइमरी हेल्थ सेंटर की आड़ में चलाया जा रहा था, जिससे साफ होता है कि आतंकी संगठन मानवता के नाम पर भी छलावा करते हैं। सियालकोट के महमूना जोया में हिजबुल मुजाहिदीन का अड्डा एक सरकारी अस्पताल के पास स्थित था, जो आईएसआई की मिलीभगत का प्रमाण है। बरनाला का मरकज अहले हदीस, कोटली का मरकज अब्बास, मस्कर राहील शाहिद, शावई नाला कैंप और सैयदना बिलाल कैंप, ये सभी स्थान पीओके में सक्रिय आतंकियों के संचालन और भारत में घुसपैठ की योजना बनाने के केंद्र रहे हैं। भारत द्वारा इन ठिकानों को निशाना बनाना न केवल सैन्य दृष्टि से महत्वपूर्ण था, बल्कि यह कूटनीतिक दृष्टि से भी एक साहसिक निर्णय था।

इस ऑपरेशन ने पाकिस्तान की पोल खोल कर रख दी है, जो हमेशा यह दावा करता आया है कि वह आतंकवाद के खिलाफ है। लेकिन भारत की इस कार्रवाई ने वैश्विक समुदाय के सामने यह स्पष्ट कर दिया है कि पाकिस्तान में आतंकवाद को न केवल पनाह मिलती है, बल्कि वह उसकी रणनीति का हिस्सा है। टीआरएफ जैसे फ्रंट संगठन आईएसआई द्वारा बनाए गए हैं ताकि अंतरराष्ट्रीय दबाव से बचते हुए भारत में अशांति फैलाई जा सके। इनका उद्देश्य केवल दहशत फैलाना नहीं, बल्कि सांप्रदायिक तनाव बढ़ाकर भारत की आंतरिक एकता को नुकसान पहुंचाना है।

भारत की यह सैन्य प्रतिक्रिया बालाकोट और उरी सर्जिकल स्ट्राइक की कड़ी में अगला बड़ा कदम है, लेकिन यह पहले की तुलना में कहीं अधिक सशक्त और व्यापक है। बालाकोट स्ट्राइक जहां केवल एक केंद्र तक सीमित थी, वहीं ऑपरेशन सिंदूर में नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। यह ऑपरेशन इस बात का संकेत है कि भारत अब अपने विरोधियों की प्रतीक्षा नहीं करेगा, बल्कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सक्रिय रणनीति अपनाएगा। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का बयान कि अगर भारत रुकता है, तो हम भी रुक जाएंगे, यह दर्शाता है कि भारत की कार्रवाई ने उन्हें घुटनों पर ला दिया है। यह बयान एक प्रकार की स्वीकारोक्ति है कि भारत की कार्रवाई इतनी निर्णायक थी कि पाकिस्तान के पास कोई मजबूत जवाब नहीं बचा।

भारत की इस कार्रवाई का एक अन्य महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह केवल सीमा पर हो रही एक सैन्य गतिविधि नहीं थी, बल्कि यह एक व्यापक रणनीतिक संदेश था। यह संदेश था उन ताकतों के लिए जो भारत की शांति और विकास में बाधा डालना चाहते हैं। यह उन देशों के लिए भी चेतावनी थी जो आतंकवाद को अपने कूटनीतिक उपकरण के रूप में उपयोग करते हैं। भारत सरकार का यह कदम निश्चित रूप से आने वाले समय में एक नजीर बनेगा। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को इसका समर्थन भी मिलेगा, क्योंकि वैश्विक राजनीति अब आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हो रही है। अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों ने भारत की आत्मरक्षा के अधिकार को पहले भी समर्थन दिया है और इस बार भी उनकी प्रतिक्रिया सकारात्मक रही है।

ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं है, यह भारत की आत्मा की पुकार है, एक पुकार जो कहती है कि अब हम चुप नहीं बैठेंगे। यह उन निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि है जिन्होंने आतंक की आग में अपने प्रियजनों को खोया। यह उन महिलाओं की शक्ति को समर्पित है जिनके सिंदूर को आतंक ने मिटाने की कोशिश की, लेकिन भारत ने उन्हें न्याय दिलाने का संकल्प लिया। यह भारत की नई सैन्य, कूटनीतिक और नैतिक शक्ति का प्रतीक है जो अब किसी भी कीमत पर अपने नागरिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा।

नजरिया

आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त 'रेडक्रॉस'

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584.

रेडक्रॉस की स्थापना महान मानवता प्रेमी जीन हेनरी डयूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे डयूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति आईसीआरआई' का गठन किया। डयूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई।

डयूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते 'अंतर्राष्ट्रीय समिति स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है।

मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं।

शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फिलहाल 190 से भी अधिक देशों में रेडक्रॉस' संस्था सक्रिय है। भारत में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी अधिनियम' के तहत वर्ष 1920 में रेडक्रॉस सोसायटी का गठन हुआ था और स्थापना के नौ वर्ष बाद इसकी सराहनीय गतिविधियों को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी ने भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी' को मान्यता प्रदान की।

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। वर्तमान समय में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की देशभर में 750 से अधिक शाखाएं मानवता की सेवा में जी-जान से जुटी हैं। रेडक्रॉस एक ऐसी स्वयंसेवी संस्था है, जो देश के किसी भी हिस्से में प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा के शिकार लोगों को बचाने व राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और इसमें शामिल होने वाले कर्मठ स्वयंसेवकों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है। विश्वभर में रेडक्रॉस के करीब एक करोड़ सत्तर लाख स्वयं सेवक हैं। यही कारण है कि रेडक्रॉस दिवस को अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस' भी कहा जाता है।

रेडक्रॉस लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करती है और अपनी विभिन्न शाखाओं के जरिये देशभर में जगह-जगह रक्तदान शिविर लगाकर प्रतिवर्ष बहुत बड़ी मात्रा में रक्त एकत्रित करती है। देश में रक्त एकत्रित करने तथा वही रक्त जरूरतमंद लोगों के लिए सही समय पर उपलब्ध कराने का कार्य यह संस्था कई दशकों से लगातार कर रही है। वास्तव में रक्त इकट्ठा करने वाली यह विश्व की एकमात्र सबसे बड़ी संस्था है, जिससे कैंसर, थैलेसीमिया, एनीमिया जैसी प्राणघातक बीमारियों से जूझ रहे हजारों लोगों की भी जान बचाई जाती हैं। रेडक्रॉस की पहल पर दुनिया का पहला ब्लड बैंक अमेरिका में 1937 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में दुनियाभर के अधिकांश ब्लड बैंकों की देखरेख रेडक्रॉस तथा उसकी सहयोगी संस्थाओं द्वारा ही की जाती है। रेडक्रॉस देश के किसी भी भाग में मानवीय या प्राकृतिक आपदा के शिकार लोगों को बचाने तथा उन्हें राहत पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। रेडक्रॉस का मुख्य उद्देश्य जीवन तथा स्वास्थ्य की सुरक्षा करना एवं मानव मात्र का सम्मान सुनिश्चित करना है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जश्न

किन्नर अखाड़ा ने प्रयागराज में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना के समर्थन में जश्न मनाते हुए।

1947 से अब तक हुए भारत-पाक सशस्त्र संघर्षों का ब्यौरा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जो भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से चले आ रहे सैन्य तनाव के घटनाक्रम में एक और अध्याय है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई इस कार्रवाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के नाम से अंजाम दिया गया। वर्ष 1947 से लेकर भारत-पाक के बीच हुए सशस्त्र संघर्षों का ब्योरा इस प्रकार है:

1947 (पहला भारत-पाक युद्ध) : इस युद्ध को प्रथम कश्मीर युद्ध के रूप में भी जाना जाता है। यह तब शुरू हुआ जब नव स्वतंत्र राष्ट्र भारत और पाकिस्तान के बीच तत्कालीन जम्मू कश्मीर रियासत को लेकर संघर्ष छिड़ गया। इसकी शुरुआत अक्टूबर 1947 में हुई जब पाकिस्तान समर्थित कबायली मिलिशिया ने रियासत पर आक्रमण कर दिया। महाराजा हरि सिंह द्वारा जम्मू कश्मीर के भारतीय संघ में विलय के बाद, भारत ने इस क्षेत्र की रक्षा के लिए अपनी सेना भेजी, जिससे दोनों देशों के बीच बड़े पैमाने पर संघर्ष हुआ।

यह संघर्ष जनवरी 1949 तक जारी रहा, जब संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से संघर्ष विराम लागू किया गया, जिसके परिणामस्वरूप नियंत्रण रेखा (एलओसी) के रूप में भारत और पाकिस्तान के बीच कश्मीर का विभाजन हुआ। 1965 (दूसरा भारत-पाक युद्ध): 5 अगस्त, 1965 को कश्मीर को लेकर सशस्त्र संघर्ष छिड़ गया। यह तब शुरू हुआ जब हजारों पाकिस्तानी सैनिकों ने स्थानीय विद्रोहियों के वेश में जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पार भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की। 'ऑपरेशन जिब्राल्टर' के नाम से जाना जाने वाला गुप्त अभियान, इस क्षेत्र को अस्थिर करने और स्थानीय विद्रोह को भड़काने के उद्देश्य से चलाया गया था। भारत ने सैन्य हमला करके जवाब दिया, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पूरी तरह जंग में बदल गया। युद्ध 23 सितंबर, 1965 तक जारी रहा, जब दोनों पक्ष तत्कालीन सोवियत संघ और अमेरिका की मध्यस्थता से युद्ध विराम पर सहमत हुए। 1971 (बांग्लादेश मुक्ति संग्राम): 1971 का भारत-पाक युद्ध पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में पाकिस्तानी सेना के दमन की कार्रवाई और उस हिस्से से उठी स्वतंत्रता की मांग के कारण शुरू हुआ था। भारत ने बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम के समर्थन में युद्ध में हिस्सा लिया और फिर, पूर्वी और पश्चिमी दोनों मोर्चों पर भीषण लड़ाई के बाद, 16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान की सेना ने आत्मसमर्पण कर दिया। इस युद्ध के कारण बांग्लादेश एक स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में अस्तित्व में आया।

1999 (करगिल युद्ध): 1999 का करगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच ऊंचाई वाले क्षेत्र में हुआ संघर्ष था, जो उस साल मई से जुलाई तक लड़ा गया था। तब पाकिस्तानी सैनिकों और आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के करगिल क्षेत्र में पर्वत चोटियों पर कब्जा कर लिया था। भारत ने वायु सेना के 'ऑपरेशन सफेद सागर' के समर्थन के साथ क्षेत्र पर पुनः नियंत्रण प्राप्त करने के लिए 'ऑपरेशन विजय' शुरू किया। 26 जुलाई, 1999 को भारत के इस क्षेत्र पर पुन: नियंत्रण प्राप्त करने के साथ युद्ध समाप्त हो गया।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व ने देश के लोगों में विश्वास और दुश्मनों में डर पैदा किया : नकवी

मुरादाबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर सशस्त्र बलों द्वारा किये गये हमले के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व ने देश के लोगों में विश्वास और दुश्मनों में भय पैदा किया है। नकवी ने कहा कि पाकिस्तान में ''जुल्म जुर्म के जल्लादी जानवरों का जमींदोज होना'' भारत और पूरी मानवता की सुरक्षा के लिए धर्मयुद्ध है। नकवी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई दुनिया भर के आतंकवादी तत्वों के लिए एक कड़ा संदेश और सबक है, जो ''आतंकवाद के हॉरर शो का निर्माता-निर्देशक, वितरक और निर्यातक'' बन गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री नकवी ने कहा कि भारत की दूरदर्शी नीति और मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व ने देश के लोगों में विश्वास और दुश्मनों में डर पैदा किया है।

भारत सरकार की आपत्ति के बाद सूदबी ने बुद्ध से जुड़े आभूषणों की नीलामी स्थगित की

हांगकांग/एपी। भारत सरकार की आपत्ति के बाद 'सूदबी' ने बुद्ध के अवशेषों से संबंधित आभूषणों की नीलामी बुधवार को स्थगित कर दी।

भारत सरकार ने इस नीलामी को रोकने की मांग की थी।

नीलामी कंपनी 'सूदबी' ने बताया कि नीलामी के लिए रखे गए रत्न ऐतिहासिक रूप से बुद्ध के भौतिक अवशेषों के साथ दफनाए गए थे और 1898 में ये उत्तरी भारत में खोजे गए थे।

भारत के संस्कृति मंत्रालय ने मंगलवार को एक फेसबुक पोस्ट में कहा था कि उसने हांगकांग के सूदबी को एक कानूनी नोटिस जारी कर इस नीलामी को तत्काल रोकने की मांग की। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि नीलामी ''भारतीय कानूनों, अंतरराष्ट्रीय नियमों और संयुक्त राष्ट्र सम्मेलनों'' का उल्लंघन करती है। इसमें कहा गया है कि नीलामी में पवित्र बौद्ध अवशेष शामिल हैं जो भारत और वैश्विक बौद्ध समुदाय की अविभाज्य धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा हैं। इसने बुद्ध से संबंधित रत्नों को भारत सरकार को वापस लौटाने और नीलामी कंपनी तथा क्रिस पेप्पे से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की। पेप्पे ब्रिटिश विलियम पेप्पे के पड़पोते हैं, जिन्हें खुदाई में अवशेषों मिले थे। सूदबी ने बुधवार को एक बयान में नीलामी स्थगित किए जाने की घोषणा की।

जश्न

भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता बुधवार को पटना में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना के समर्थन में जश्न मनाते पुलिसकर्मी।

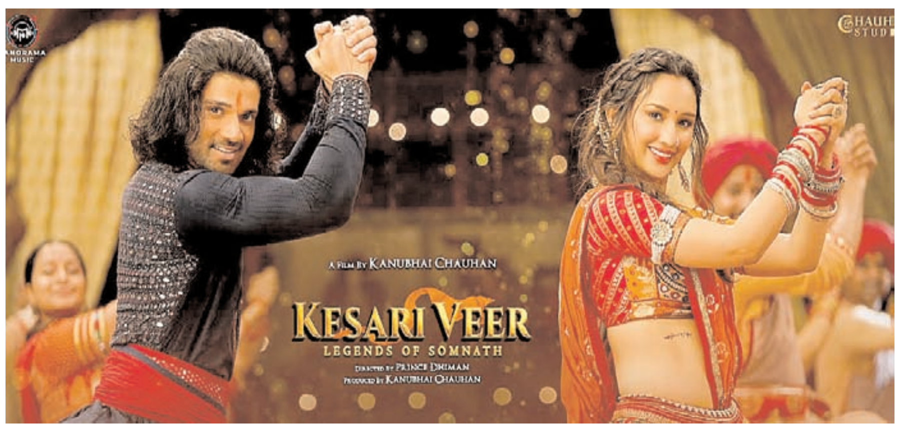

फिल्म 'केसरी वीर' का गाना ढोलिडा ढोल नगाड़ा हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय, सूरज पंचोली और डेब्यू एक्ट्रेस आकांक्षा शर्मा स्टारर फिल्म केसरी वीर ट्रेलर रिलीज के बाद से ही दर्शकों में चर्चा का विषय बनी हुई है। दर्शकों के बीच फ़िल्म का उत्साह बढ़ रहा है, मेकर्स ने दर्शकों को फिल्म का दूसरा गाना ढोलिडा ढोल नगाड़ा रिलीज कर सरप्राइज़ दिया है। इस गाने में सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा गरबा करते नज़र आ रहे हैं, साथ ही प्रेम की मासूमियत को भी बेहतरीन एक्सप्रेशंस के साथ बखूबी पेश करते हैं। ढोलिडा ढोल नगाड़ा में नवरात्रि की ऊर्जा साफ झलकती है, और यह नई ऑन-स्क्रीन जोड़ी एक-दूसरे के साथ गजब की केमिस्ट्री और शानदार तालमेल दिखाती है। यह गाना सुनिधि चौहान, कीर्तिदान गढ़वी और गौरव चाटी ने गाया है, जबकि इसके बोल सृजन ने लिखे हैं।

मोंटी शर्मा ने इस गीत को संगीतबद्ध और प्रोड्यूस किया है, और इसे पैनोरमा म्यूजिक के लेबल के तहत रिलीज़ किया गया है। वहीं हाल ही में रिलीज़ हुआ केसरी वीर का ट्रेलर 14वीं शताब्दी में सोमनाथ मंदिर की रक्षा के लिए लड़े गए वीर योद्धाओं की संघर्षगाथा को दर्शाता है। इसमें सुनील शेट्टी निडर योद्धा वेगड़ा जी की भूमिका निभा रहे हैं।

उनके साथ सूरज पंचोली एक अनसुने वीर हमीरजी गोहिल की भूमिका में नज़र आएंगे, और आकांक्षा शर्मा फिल्म में एक शक्तिशाली महिला योद्धा रजल के किरदार में दिखाई देंगी। तीनों मिलकर खतरनाक खलनायक ज़फ़र (विवेक ओबेरॉय) से टक्कर लेते हैं, जो जबरन धर्म परिवर्तन करवाने की कोशिश करता है। सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय, सूरज पंचोली और आकांक्षा शर्मा जैसे दमदार कलाकारों से सजी फिल्म केसरी वीर का निर्देशन प्रिंस धीमान ने किया है और इसका निर्माण कानू चौहान ने चौहान स्टूडियोज के बैनर तले किया है। पैनोरमा स्टूडियोज द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज़ की जा रही यह फिल्म एक्शन, इमोशन और ड्रामा से भरपूर है, और 23 मई को दुनियाभर में दर्शकों को रोमांचित करने आ रही है।

मनीषा कोइराला ने ब्रेन मैपिंग से की खुद को समझने की कोशिश

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने अपने ब्रेन मैपिंग अनुभव के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस प्रक्रिया को खुद के अंदर झांकने, समझने, मानसिक रूप से स्वस्थ होने और आगे बढ़ने में मददगार बताया। ब्रेन मैपिंग एक न्यूरो-साइंस तकनीक है, जिसमें मस्तिष्क की गतिविधियों को मापा और समझा जाता है। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में एक्ट्रेस ने बताया कि उन्होंने हाल ही में न्यूरोलीप ब्रेन फंक्शन असेसमेंट करवाया है। इस प्रक्रिया से उन्हें पता चला कि उनके दिमाग के अंदर क्या चल रहा है, वे कैसे सोचती हैं, क्या भावनात्मक प्रतिक्रियाएं हैं, और उनके दिमाग का व्यवहार कैसे काम करता है। इन सभी जानकारियों से उन्हें खुद को समझने और अपनी मानसिक सेहत को बेहतर बनाने में मदद मिली है।

मनीषा कोइराला ने ब्रेन मैपिंग प्रक्रिया की अपनी फोटो और वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मैंने ब्रेन मैपिंग करवाई और वाह! क्या सफर रहा! मैंने न्यूरोलीप ब्रेन फंक्शन असेसमेंट करवाया, जिसमें कोई भी निजी सवाल पूछे बिना ही मुझे अपने दिमाग के पैटर्न्स के बारे में अधिक जानकारी मिली। यह प्रक्रिया 30 मिनट की थी, जिसमें कुछ सेंसर मेरे सिर पर लगाए गए थे, जो दिमाग की तरंगों को पढ़ रहे थे। इसमें न तो कोई सवाल पूछा गया, न ही कोई असहजता हुई, सब कुछ आरामदायक और सुरक्षित था। उन्होंने कैप्शन में आगे लिखा, यह अनुभव मेरे लिए खुद के अंदर झांकने, मानसिक रूप से आगे बढ़ने और अंदरूनी बदलाव का छोटा सा सफर रहा है। लोगों को अपने भीतर को और गहराई से जानने के लिए यह प्रक्रिया जरूर आजमानी चाहिए। मैंने एक रेड और नियर-इन्फ्रारेड लाइट थेरेपी डिवाइस लिया है, जिसे मैं हर दिन जिम के बाद 15 मिनट इस्तेमाल करती हूं। यह डिवाइस मेरी एनर्जी को रिचार्ज करता है, रिकवरी को तेज करता है, साथ ही मुझे शांत रखने और बेहतर नींद में मदद करता है।

लीसा मिश्रा ने साझा किया जीनत अमान के साथ काम करने का भावुक पल

मुंबई/एजेन्सी

गायिका से अभिनेत्री बनीं लीसा मिश्रा ने बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री ज़ीनत अमान के साथ काम करने का भावुक पल साझा किया है। लीसा मिश्रा जल्द ही अपनी एक्टिंग डेब्यू सीरीज 'द रॉयल्स' के साथ दर्शकों के सामने आने वाली हैं। इस सीरीज में काम करने का अनुभव लीसा के लिए खास रहा, लेकिन उनके लिए सबसे खास बात थी, ज़ीनत अमान के साथ काम करने का मौका। ज़ीनत अमान को लीसा के घर में हमेशा बहुत सम्मान से देखा गया है, खासकर उनके पापा की तरफ से। लीसा ने बताया कि उन्होंने अपने पापा के साथ ज़ीनत अमान की कई फिल्में देखी हैं, और जब उन्हें उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका मिला, तो यह एक भावुक और यादगार पल बन गया। यह पल उनके प्रोफेशनल और पर्सनल जीवन को जोड़ने वाला था। लीसा ने कहा, मेरे पापा हमेशा ज़ीनत अमान के बहुत बड़े फैन रहे हैं। मैं उनके साथ बैठकर ज़ीनत जी की फिल्में देखती थी। जब मैंने उन्हें बताया कि मैं उनके साथ काम करने जा रही हूं, तो उनके चेहरे पर जो गर्व, हैरानी और भावुकता थी, वो मैं कभी नहीं भूलूंगी। मेरे लिए ये एक ऐसा पल था जो जैसे ज़िंदगी का पूरा चक्र पूरा कर गया। लीसा के लिए, जो म्यूज़िक और एक्टिंग दोनों में अपनी पहचान बना रही हैं, यह अनुभव सिर्फ एक करियर की उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दिल से जुड़ा खास पल भी है। द रॉयल्स एक ऐसी सीरीज है जो ताकत, रुतबा और विरासत की कहानी को दिखाती है। इसमें ज़ीनत अमान,ईशान खट्टर, भूमि पेडनेकर जैसे सितारे नज़र आएंगे।

फिल्म 'पैसे वाली बहू' का पहला लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

फ़िल्म निर्माता एवं वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स म्यूजिक कंपनी के एमडी रत्नाकर कुमार ने बहुप्रतीक्षित भोजपुरी फिल्म 'पैसे वाली बहू' का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया है। फिल्म पैसे वाली बहू का ट्रेलर जल्द ही वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया जाएगा। इस फ़िल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में गुलाबी रंग की साड़ी पहने अभिनेत्री संचिता बनर्जी पैसे वाली बहू के लुक में दिख रही हैं। उनके बगल में अभिनेता जय यादव स्मार्ट लुक में दिख रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ स्माइल लुक में काजल त्रिपाठी दिख रही हैं। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स लिमिटेड, रत्नाकर कुमार और जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत तथा रत्नाकर कुमार कृत वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स लिमिटेड बैनर के तले निर्मित फिल्म 'पैसे वाली बहू' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। सह-निर्मात्री निवेदिता कुमार हैं। निर्देशक अजय कुमार हैं। मुख्य कलाकार संचिता बनर्जी, जय यादव, काजल त्रिपाठी, शुभ किशन शुक्ला, देवेन्द्र पाठक, प्रभा यादव, शिव कुमार, सोनाली मद्धेशिया, खुशी यादव, रूपा सिंह, शुभ तिवारी, राजेश तोमर, संजू सोलंकी हैं। इस फ़िल्म के लेखक मनोज गुप्ता हैं। संगीतकार राजेश झा, गीतकार संतोष उत्पती, धरम हिंदुस्तानी, राकेश निराला हैं। सिंगर प्रियंका सिंह, सुगम सिंह, खुशबू जैन, अली हैं। डीओपी शत्रुघ्न तिवारी, एडीटर दिलीप प्रसाद, एक्शन डायरेक्टर प्रदीप खड़का, डांस मास्टर कानू मुखर्जी, सोनू प्रीतम, आर्ट डायरेक्टर अवधेश राय, प्रोडक्शन हेड महेश उपाध्याय हैं। पोस्ट प्रोडक्शन 3 स्टूडियो में किया गया है।

फिल्म सितारों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना की

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म सितारों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकवादी शिविरों को नष्ट करने को लेकर भारतीय सशस्त्र बलों को बधाई दी है। दक्षिण भारतीय फिल्मों के महानायक रजनीकांत ने सोशल मीडिया पर लिखा, योद्धा की लड़ाई अब शुरू होती है, मिशन पूरा होने तक कोई रुकना नहीं! पूरा देश आपके साथ है। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद हेमा मालिनी ने एक्स पर लिखा,हमारी शक्तिशाली सेना और हमारी वायुसेना को कोटि प्रणाम, जिन्होंने निर्दोष पर्यटकों की जान लेने वाले और एक ही झटके में हमारी 26 महिलाओं को विधवा करने वाले आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। हाँ! मोदी जी ने दुश्मन के खिलाफ सबसे प्रभावी ऑपरेशन सिंदूर चलाया और इस तरह पहलगाम में बेरहमी से मारे गए निर्दोष नागरिकों का बदला लिया। पूरा देश सरकार की कार्रवाई के समर्थन में एकजुट हो गया है। जय हिंद! जय भारत! अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, जय हिंद, जय महाकाल।

अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कैप्शन में लिखा, उन्होंने कहा था, पीएम मोदी को बता देना और पीएम मोदी ने उन्हें बता दिया। दूसरी पोस्ट में कंगना ने लिखा, जो हमारी और देश की रक्षा करते हैं, ईश्वर उनकी रक्षा करें। देश की सेना को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए बधाई। अनुपम खेर ने ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना की तारीफ की। अनुपम खेर ने एक्स हैंडल पर लिखा, भारत माता की जय ऑपरेशन सिंदूर। सुनील शेट्टी ने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा कि बिल्कुल बर्दाशत नहीं करेंगे।पूर्ण न्याय। 'ऑपरेशन सिंदूर'। फिल्मकार शेखर कपूर ने कहा कि भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले का जवाब जिम्मेदारी से और आत्मविश्वास के साथ दिया है।

परेश रावल ने लिखा, ऑपरेशन सिंदूर। वहीं, अभिनेता रितेश देशमुख ने लिखा, जय हिंद की सेना, भारत माता की जय। अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने लिखा, ऑपरेशन सिंदूर, जय हिंद, जय भारत। अभिनेत्री निमरत कौर ने लिखा, हमारी सेना के साथ एकजुट होने का समय है। एक देश, एक मिशन। जय हिंद ऑपरेशन सिंदूर।

सोनू सूद ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, न्याय हुआ। निर्माता-निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने सेना की सराहना करते हुए लिखा, ऑपरेशन सिंदूर, जय हिंद। रितेश देशमुख ने इस कार्रवाई के बाद एक्स पर खुशी जाहिर करते हुए लिखा, जय हिंद की सेना... भारत माता की जय। साथ ही, उन्होंने एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर लिखा नजर आ रहा है। मधुर भंडारकर ने अपनी पोस्ट में लिखा, हमारी प्रार्थनाएं हमारी सेना के साथ हैं। एक राष्ट्र, हम सब एक साथ खड़े हैं। जय हिंद, वंदे मातरम। गीतकार, लेखक मनोज मुंतशिर ने ऑपरेशन सिंदूर की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, जय हिंद, जय हिंद की सेना। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार चिरंजीवी ने अपने एक्स अकाउंट पर ऑपरेशन सिंदूर का पोस्टर शेयर किया और कैप्शन में जय हिंद लिखा। इसके आगे उन्होंने तिरंगे का इमोजी भी शेयर किया। अल्लू अर्जुन ने भी अपने एक्स अकाउंट पर ऑपरेशन सिंदूर का पोस्टर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, न्याय जरूर मिलना चाहिए, जय हिंद। उन्होंने भी इसके आगे तिरंगे का इमोजी शेयर किया। जूनियर एनटीआर ने एक्स पोस्ट में लिखा, मैं हमारी भारतीय सेना की सुरक्षा और मजबूती के लिए प्रार्थना करता हूं। इसके आगे उन्होंने हैशटैग ऑपरेशन सिंदूर लिखा। काजल अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, भारत माता की जय.. हम भारतीय सेना के साथ अटूट एकजुटता के साथ खड़े हैं।

इस चुनौतीपूर्ण समय में हम भारत के हर नागरिक से एकजुट रहने की अपील करते हैं। हमारे सशस्त्र बलों का समर्थन करें, राष्ट्र के निर्णयों पर भरोसा करें और एकजुट होकर खड़े रहें। एक भारत, हम भारत हम भारत हैं और हम मिलकर अपनी मातृभूमि का निर्माण और सुरक्षा करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

स्वाभिमान गिरवी रखकर प्राप्त किया हुआ सोना, चांदी, महल भी मिट्टी के समान है और स्वाभिमान की सूखी रोटी भी पांच पकवान से बढ़कर है। जिस व्यक्ति के जीवन में देश के प्रति स्वाभिमान नहीं होता वह जिंदा भी मुर्दे के समान है। स्वाभिमान ही धर्म का प्रवेश द्वार है, इसके बिना कितना ही दान, त्याग, तपस्या की जाएं, सब व्यर्थ हैं। यहां तक कि यदि संत भी बन जाए तो भी विश्व के किसी धर्म में प्रवेश नहीं हो सकता है। विश्व के सभी महापुरुषों ने स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना तन, मन, धन सर्वस्व न्योछावर कर दिया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के लग्गेरे क्षेत्र के नागरिकों द्वारा अणम्मा देवी पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।।

प्रत्येक आत्मा को प्रकाशित कर रहे हैं आचार्यश्री महाश्रमण : साध्वीश्री संयमलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा ट्रस्ट हनुमंतनगर के तत्वावधान में बुधवार को साध्वीश्री संयमलताजी के सान्निध्य में आचार्यश्री महाश्रमणजी के सोलहवें पदाभिषेक का कार्यक्रम तेरापंथ भवन में हुआ। संगीता तातेड़ द्वारा कविता के माध्यम से आचार्यश्री की अभिवंदना की गई। साध्वीश्री संयमलताजी ने कहा कि आचार्य प्रवर एक शास्त्रंशु दिवाकर बनकर प्रत्येक आत्मा को प्रकाशित कर रहे हैं।

चरित्र एक ऐसा हीरा है जो बुराइयों के सभी पाषाण खंडों को चूर-चूर कर देता है। उनके चरित्र के पंख अध्यात्म के आकाश में उड़ान भर रहे हैं। आगमवाणी में कहा गया है कि जो निंदा स्तुति, सुख-दुख, अहंकार, ममकार से जो ऊपर होता है वह एक सच्चा संत होता है। सच्चा संत बनाना ही जीवन का सबसे बड़ा अवार्ड है। साध्वीश्री मनीषाप्रभाजी ने कहा, महाश्रमण एक संत का नाम नहीं अपितु अनवरत यात्रा का नाम है। इस अवसर पर सभा के पूर्व अध्यक्ष सुभाष बोहरा, सभा के अध्यक्ष गौतम दक, उपाध्यक्ष गौतम कातरेला, महिला मण्डल की पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, अध्यक्ष सरोज दुगड़ सहित अनेक श्रावक-श्राविका उपस्थित थे।

जीतो ने विश्व नवकार महामंत्र दिवस के सहयोगियों का किया सम्मान

सभी सहभागियों व संयोजकों के प्रति जताया आभार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ व साउथ चैप्टर द्वारा गत दिनों आयोजित विश्व नवकार महामंत्र दिवस में सहयोग देने वाले लोगों के अभिनंदन समारोह का आयोजन शहर के जैन इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल में हुआ। इस अवसर पर जीतो संस्था के अपेक्स, ज़ोन, चैप्टर के पदाधिकारी उपस्थित थे। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने उपस्थित सभी संघ संस्थाओं के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। जीतो नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया ने कहा कि जीतो का मुख्य उद्देश्य संपूर्ण जैन समाज को एक मंच पर लाकर सेवा कार्यों को बढ़ावा देना है, जो इस आयोजन के माध्यम से सफलतापूर्वक साकार हुआ। महामंत्री विजय सिंघवी ने इस आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले सभी संयोजकों एवं सहसंयोजकों के प्रति आभार जताया। इस मौके पर भैरुमल दांतेवाड़िया, मनोज कोचर, विनीत जैन ने सभी सहयोगियों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर जीतो पदाधिकारियों द्वारा संघ-संस्थाओं के अद्वितीय सहयोग हेतु उनके प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। जीतो साउथ चैप्टर के महामंत्री नितिन लुनिया ने मंच का संचालन किया। इस आयोजन में नारी शक्ति की सक्रिय सहभागिता बहुत ही सराहनीय थी जिसके लिए साउथ लेडीज विंग की अध्यक्ष बबीता रायसोनी एवं नॉर्थ की उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी अनेक महिलाओं का सम्मान किया गया।

कर्नल सोफिया कुरैशी: मीडिया को 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी देने वालीं सैन्य अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह के साथ भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बुधवार को मीडिया को जानकारी देने वालीं कर्नल सोफिया कुरैशी ने कम उम्र में ही देश की सेवा करने की भावना को आत्मसात कर लिया था। उनके परिवार का सेना से जुड़ाव का लंबा इतिहास रहा है।

भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए जाने के कुछ ही घंटों बाद 'प्रेस ब्रीफिंग' में विदेश सचिव मिसरी के साथ दो महिला अधिकारी-विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सरकार की ओर से शुरुआती बयान दिया।

कुरैशी और सिंह ने छह-सात मई की रात को एक बजे से डेढ़ बजे तक निशाना बनाए गए स्थानों के नाम और विवरण साझा किए।

सिग्नल कोर की अधिकारी कुरैशी ने हिंदी में बात की, जबकि भारतीय वायुसेना की हेलीकॉप्टर पायलट सिंह ने अंग्रेजी में विवरण साझा किया।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के लगभग दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य हमले किए गए।

वर्ष 2017 में आयोजित एक सामूहिक परिचर्चा में, कुरैशी ने सशस्त्र बलों में अपने सफर के बारे में बताया कि कैसे वह सेना में जाने के लिए प्रेरित हुईं।

कुरैशी ने कहा था, ''एक फौजी के बच्चे के रूप में, मैं सेना के माहौल से वाकिफ थी। मेरी मां चाहती थी कि हम दोनों बहनें सेना में शामिल हों। मैंने इसके लिए आवेदन किया और मैं इसमें शामिल हो गई। मेरे दादा भी सेना में थे, और वह कहते थे 'यह हमारी, हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि हम सतर्क रहें और अपने देश के लिए खड़े हों और राष्ट्र की रक्षा करें।' यह गरिमापूर्ण और सम्मानजनक पेशा है।''

कुरैशी ने यह भी कहा कि जब वह ''(सैन्य) अकादमी में शामिल हुईं, तो करगिल युद्ध चल रहा था।'' उन्होंने 2016 में बहुराष्ट्रीय क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास में सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व भी किया था।

रक्षा मंत्रालय ने 'एक्स' पर महिला दिवस पर एक पोस्ट में कुरैशी की तस्वीर साझा करते हुए कहा था, ''2016 में फोर्स18-आसियान प्लस बहुराष्ट्रीय क्षेत्र प्रशिक्षण अभ्यास में सेना प्रशिक्षण टुकड़ी का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी। वह सभी आसियान प्लस टुकड़ियों में एकमात्र महिला अधिकारी टुकड़ी कमांडर थीं।''

नाम के अनुरूप पायलट बनने की ठान ली थी विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने

नई दिल्ली/भाषा। विदेश सचिव विक्रम मिसरी और कर्नल सोफिया कुरैशी के साथ भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बुधवार को संवाददाताओं को जानकारी देने वाली विंग कमांडर व्योमिका सिंह एक कुशल हेलीकॉप्टर पायलट हैं, जिन्होंने कई तरह के विमान उड़ाए हैं और जटिल परिस्थितियों में नागरिकों को सुरक्षित निकालने के अभियानों में भाग लिया है। उन्होंने एक बार एक चैनल के कार्यक्रम में बताया था कि किस तरह उनका नाम व्योमिका उनके पायलट बनने की यात्रा में मददगार रहा।

पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में भारत के सशस्त्र बलों ने मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए, जिनमें जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा का अड्डा मुरीदके शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 लोगों की हत्या के दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य हमले किए गए।

प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव मिसरी के साथ दो महिला अधिकारी – विंग कमांडर व्योमिका

सिंह और कर्नल सोफिया मंच पर बैठी थीं जिन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सरकार की ओर से शुरुआती बयान दिया।

दोनों महिला अधिकारियों ने भारतीय सेना द्वारा निशाना बनाए गए स्थलों के बारे में जानकारी मीडिया से साझा की।

व्योमिका के पति भी भारतीय वायु सेना में पायलट हैं। उन्होंने 2023 में एक निजी चैनल द्वारा आयोजित पैनल चर्चा के दौरान साझा किया था कि कैसे उनका नाम-व्योमिका, पायलट बनने की उनकी नियति में सहयोगी रहा।

व्योमिका ने बताया, ''मैं कक्षा-6 में थी तभी एक 'यूरेका' क्षण आया। मुझे लगा कि मैं पायलट बनना चाहती हूं और आसमान में उड़ान भरना चाहती हूं। हम नामों के अर्थ को लेकर कक्षा में चर्चा कर रहे थे। तभी कोई चिल्लाया कि 'तुम व्योमिका हो, जिसका अर्थ है व्योम (आकाश) तुम्हारा है'। उसी दिन से मैं पायलट बनना चाहती थी। यह 1990 के दशक की शुरुआत की बात है।''

'नारी शक्ति' के विषय पर हुई उस चर्चा में व्योमिका ने वायु सेना में शामिल होने और पायलट बनने की अपनी यात्रा के बारे में भी बताया। पायलट बनने का सपना देखने से लेकर 2,500 से अधिक उड़ान घंटे पूरे करने तक, व्योमिका ने देश के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में कई हेलीकॉप्टरों का परिचालन किया है। इनमें जम्मू कश्मीर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों से लेकर पूर्वोत्तर के दूरदराज के इलाके शामिल हैं।

साल 2020 में उन्होंने अरुणाचल प्रदेश में एक बचाव अभियान का नेतृत्व किया और नागरिकों को बचाने के लिए अत्यंत कठिन परिस्थितियों में उड़ान भरी।

वायु सेना अधिकारी ने निजी चैनल को बताया था, ''यह (वायु सेना में) एक शानदार अनुभव रहा है और मुझे यह बहुत पसंद है।''

तीर्थंकरों द्वारा स्थापित सर्वोच्च संस्था है चतुर्विध संघ : आचार्यश्री अरिहंतसागर

शासन स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में होंगे अनेक कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के त्यागराजनगर जैन संघ में भगवान महावीर स्वामी के केवलज्ञान कल्याणक और शासन स्थापना दिवस विषय पर प्रवचन देते हुए आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी म. सा. ने कहा कि जिस प्रकार देश की सुचारु राज्य व्यवस्था के लिए प्रशासन ज़रूरी है, उसी प्रकार समस्त जीवसृष्टि के कल्याण हेतु नीति नियमों का ढ़ांचा जरूरी है। भगवान महावीर स्वामी ने वैशाख शुक्ल 11 के दिन इसी ढ़ांचे की यानी शासन की स्थापना की। इस आज्ञातंत्र को स्वीकारने वाला प्रत्येक साधक सुखी बन सकता है। जिस प्रकार राज्य अपने दायरे में आने वाले नागरिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेता है उसी प्रकार जिनशासन भी अपनी शरण में आने वाले प्रत्येक साधक के जीवन में सुख प्राप्ति और दुःख मुक्ति सुनिश्चित करता है।

संतश्री ने बताया कि करीब 2600 वर्ष पूर्व वैशाख शुक्ल 10 के दिन भगवान महावीर स्वामी को साधना की फलश्रुति के रूप में केवल्यज्ञान की प्राप्ति हुई जिसके बाद उन्होंने धर्मोपदेश देना प्रारंभ किया लेकिन उस दिन सर्वथा पापरहित जीवन यानी दीक्षा लेने वाला कोई उपस्थित नहीं होने के कारण संघ स्थापना नहीं हुई । इस बात से संघ स्थापना एवं संचालन में साधु पद की महत्वपूर्ण भूमिका

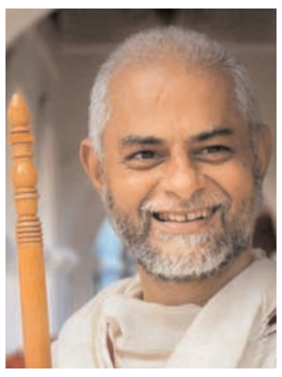

का अंदाजा लगाया जा सकता है । उन्होंने अगले दिन यानी वैशाख शुक्ल 11 के दिन चतुर्विध संघ की स्थापना की जब इन्द्रभूति गौतम आदि प्रकाण्ड विद्वान 11 पंडितों ने अपने हज़ारों शिष्यों सहित दीक्षा जीवन अपनाया।

उसी दिन भगवान महावीर स्वामी ने चतुर्विध संघ यानी साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका इन चार पदों की स्थापना कर उन्हें अनेक धार्मिक अधिकार सौंपे। किसी भी पद को मात्र सत्ता या अधिकार के रूप में मानने के बजाए उसे सेवा का अवसर और जिम्मेदारी निभाने का माध्यम मानना चाहिए। श्रावक पद स्वयं तीर्थंकरों द्वारा प्रदत्त एक गौरवशाली पद है जिसकी गरिमा उस पद के अनुरूप बताए गए आचार और व्यवहार के पालन में समाई हुई है, अतः प्रत्येक जैन गृहस्थ इस आचार संहिता के महत्व को समझकर सदाचारमय जीवन जीने का प्रयास करें तभी शासन स्थापना दिवस मनाने की सार्थकता होगी।

जेसी रोड स्थित सोलस-2 बिल्डिंग में जैन मन्दिर का भूमिपूजन, खनन मुहूर्त सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शंखेश्वर पार्श्वनाथ ट्रस्ट मंडल के तत्वावधान में जेसी रोड स्थित प्रतिष्ठित व्यावसायिक भवन सोलस-2' में जैन मन्दिर का निर्माण होने जा रहा है। जिन मन्दिर में परमात्मा श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथजी, श्री गौतम स्वामीजी और श्री नाकोड़ा भैरवजी की प्रतिमाएं विराजमान होंगी। मंदिर निर्माण के लिए सोलस-2 बिल्डिंग में स्नात्र पूजा, नवग्रह दशदिकपाल पूजन, मन्दिर भूमि शुद्धिकरण, भूमिपूजन एवं खनन विधान सम्पन्न हुआ। इस क्षेत्र के आसपास निवासित परिवारों, शादी मंडपों व कॉलेज हॉस्टल के निवासियों को जिनप्रतिमा की सेवा-पूजा का लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से सभी ट्रस्टियों के मन में मन्दिर निर्माण की इच्छा जागृत हुई। इसी को मूर्त रूप प्रदान करते हुए जिनमन्दिर निर्माण की प्रक्रिया के तहत भूमिपूजन और खनन विधान सम्पन्न हुआ।

ट्रस्टी कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि आगामी 12 मई को जिनालय निर्माण प्रारम्भ करते हुए शुभ मुहूर्त में स्नात्र पूजा, नवग्रह, दशदिकपाल एवं अष्टमंगल पूजन के साथ शिलान्यास किया जाएगा। ट्रस्टी किशोर जैन ने सभी का स्वागत किया। भूमिपूजन और खनन और नींव भरवाने का विधि विधान रोहित गुरुजी द्वारा सम्पन्न करवाया गया और उनका सम्मान ट्रस्टी अशोक नागोरी ने किया। शिल्पकला युक्त जिनालय का निर्माण सोमपुरा प्रवीण भाई की देखरेख में किया जाएगा जिनका सम्मान ट्रस्टी महावीर मेहता द्वारा किया गया। इस अवसर पर शांतिलाल नागोरी, राजू सुजानी, बाबूभाई मेहता, बाबूलाल नागोरी, अशोक मेहता, ललित गुलेच्छा, तेजराज कोठारी, आदित जैन, प्रतीक गुलेच्छा के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के पश्चात अन्नदान किया गया।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन 'सिन्दूर' के जरिए त्वरित एवं प्रभावी जवाबी कार्रवाई की : रंगासामी

पुडुचेरी। पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई के लिए भारतीय सेना की बुधवार को सरहाना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि सेना ने सफल जवाबी कार्रवाई कर 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले का उचित एवं प्रभावी जवाब दिया है। इस आतंकवादी हमले में नेपाल के एक नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी।

रंगासामी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि 'ऑपरेशन सिन्दूर' के तहत आतंकवादी ठिकानों पर किया गया हमला एक सफल उपलब्धि है। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय सेना की तारीफ की। रंगासामी ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासन भारत की सुरक्षा सुनिश्चित करने और आतंकवाद को खत्म करने के लिए हमेशा केंद्र के साथ खड़ा रहेगा।

तेयुप राजाजीनगर ने आयोजित की महाश्रमण अभिवंदना' भक्ति संध्या

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। आचार्यश्री महाश्रमणजी के 64वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा मंगलवार को महाश्रमण अभिवंदना-एक शाम ज्योतिचरण के नाम' भक्ति संध्या का आयोजन साध्वीश्री सोम्ययशाजी के सान्निध्य में राजाजीनगर में जुगराज श्रीश्रीमाल के निवास पर हुआ। तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें आचार्यश्री महाश्रमणजी जैसे महान गुरु मिले हैं।तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित भिक्षु श्रद्धा स्वर भजन मंडली के गायक संजय मांडोत, अनिमेष चौधरी, जितेंद्रकोठारी ने गुरुदेव आचार्यश्री महाश्रमणजी के जीवन पर आधारित रचित गीतिकाओं की प्रस्तुति दी एवं वातावरण को भक्तिमय बनाया। महिला मंडल की रेणु कोठारी ने भी अपनी गीतिका की प्रस्तुति दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.